CMYK

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 11 अंक : 18 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 04 फरवरी, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

भजनलाल शर्मा की कार्यशैली और व्यवहार ने कथा वाचक जया किशोरी का भी दिल जीत लिया

जया किशोरी ने पत्रकारों से कहा मुख्यमंत्री शर्मा की जितनी तारीफ बाहर सुनी थी उससे कहीं ज्यादा उनसे मुलाकात करने के बाद महसूस हुआ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री पद के अपने 2 साल के कार्यकाल में भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में हर जाति और बिरादरी के लोगों का दिल तो जीत ही लिया इसके अलावा देशभर में उनके अच्छे व्यवहार और इनके दो साल के उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा हो रही है इतना ही नहीं देश के सभी बड़े साधु संत मुख्यमंत्री शर्मा के व्यवहार सादगी और कार्यशैली से काफी खुश नजर आए और प्रमुख साधु संतों ने तथा कई विख्यात कथा वाचकों ने अपने विशाल कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थित जन समुदाय के समक्ष खूब प्रशंसा की है अभी हाल ही में विख्यात कथावाचक जया किशोरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान जया किशोरी ने कहा कि बाहर मुख्यमंत्री शर्मा की खूब तारीफ सुनी थी लेकिन उनसे मुलाकात के दौरान जो तारीफ बाहर लोगों से सुनने को मिला। उससे

कहीं ज्यादा अच्छा महसूस उनसे मुलाकात के दौरान हुआ उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सादगी, व्यवहार, बोलचाल, उनकी धार्मिक प्रवृत्ति नैतिक आचरण और उनकी ओर से पिछले दो साल में किए गए। उल्लेखनीय कार्यों से वे खुद उनसे काफी प्रभावित हुई है भजनलाल शर्मा और जया किशोरी के बीच काफी देर तक बातचीत हुई जिसमें युवा शक्ति और संस्कृति, विरासत आध्यात्मिकता जैसे विषय केंद्र बिंदु रहे जया किशोरी ने मुलाकात के दौरान कहा कि युवाओं को अपने उज्जवल भविष्य के साथ-साथ उन्हें समाज और देश सेवा जैसे विषयों पर भी फोकस रखना जरूरी है इसके अलावा नैतिक आचरण और आध्यात्मिकता का भाव होना बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि युवाओं को ऊंची उड़ान का सपना जरूर देखना चाहिए। लेकिन उन्हें समाज देश परिवार पर्यावरण वन्य जीव जीव जंतु सबका ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल में राजस्थान में उन्होंने कई जगहों पर अपने कार्यक्रम किया और 2 साल में राजस्थान में उन्हें बहुत ही अच्छा बदलाव देखने को मिला है ।जयपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में उनके कार्यक्रम हुए जहां पर नई-नई व्यवस्थाएं देखने को मिली एक अच्छा बदलाव राजस्थान में नजर आ रहा है। जया किशोरी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के व्यक्तित्व उनकी सोच और उनकी कार्यशैली से काफी प्रभावित हुई उन्होंने कहा कि अक्सर किसी बड़े राजनेता से मिलने से पहले दिमाग में यही बात आती है कि मुलाकात के दौरान राजनीति पर ज्यादा चर्चा होगी लेकिन भजनलाल शर्मा से मुलाकात के दौरान राजनीति पर नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास समाज संस्कृति विरासत इत्यादि पर चर्चा हुई जो उनके दिल को अंदर तक छू गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनो में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के सभी प्रमुख संत महात्माओं और कथावाचकों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया और इन सब प्रमुख संत और महात्माओं ने तथा कथा वाचकों ने मुख्यमंत्री शर्मा के व्यवहार सादगी उनकी धार्मिक प्रवृत्ति और उनके कार्यशैली की जमकर प्रशंसा की जया किशोरी से पहले प्रमुख कथावाचक अनिरुद्चार्य भरी सभा में मुख्यमंत्री शर्मा की जमकर प्रशंसा कर चुके हैं । बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने भी मुख्यमंत्री शर्मा की जमकर प्रशंसा की जगतगुरु रामभद्राचार्य भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से काफी प्रभावित और खुश दिखे इसी तरह से जया किशोरी ने भजनलाल शर्मा से मुलाकात के बाद बहुत ही खुश और प्रभावित नजर आई वजह यही है कि भजनलाल शर्मा शुरू से ही धार्मिक प्रवृत्ति के इंसान रहे हैं मानवता और समाज सेवा उनके रग रग में बसी हुई है इसीलिए पिछले 2 साल में उन्होंने गरीब मजदूर किसान और जरूरतमंद लोगों के कल्याण और विकास के लिए कई बड़ी जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की इसके अलावा गौ माता की रक्षा संरक्षण तथा गौशालाओं के विकास के लिए भी सरकार ने बड़ा बजट जारी किया है वन संरक्षण को लेकर भी भजनलाल शर्मा काफी गंभीरता से कार्य कर रहे हैं इसके अलावा प्रदेश के सभी छोटे-बड़े मंदिरों की मरम्मत और उन्हें धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए करोड़ों रुपए का बजट आवंटित करके प्रदेश के सभी प्रमुख मंदिरों को देश और विदेश में मशहूर करने के कार्य में भजनलाल शर्मा जोर शोर से जुटे हुए हैं इन सब कार्यों से देश के प्रमुख साधु संत काफी खुश और उत्साहित है इसी वजह से जो भी संत भजनलाल शर्मा से अब तक मिले हैं वे सब मुख्यमंत्री शर्मा से मुलाकात के बाद काफी खुश और उत्साहित दिखे ।

वन्यजीवों के हमले से मौत पर अब पांच की जगह 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की तैयारी : संजय शर्मा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को वन्यजीवों पर मौत के मामले में परिजनों को मुआवजा देने का मामला उठाया गया। यह मामला बाड़ी धौलपुर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक जसवंत गुर्जर ने उठाया उन्होंने सरकार से वन्यजीवों के हमले में जान गवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकार की ओर से आर्थिक मुआवजा देने के बारे में सवाल जवाब किया जिस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि वन्यजीवों के हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकार की ओर से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है लेकिन राजस्थान सरकार अब 5 लाख की जगह 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की कागजी प्रक्रिया पर कार्य कर रही है। सरकार 10 लाख रुपए का मुआवजा देने को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है ।उल्लेखनीय है कि राजस्थान में वन्यजीवों के हमले से लोगों के जान गंवाने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं वन्य जीव जंगल छोड़कर भोजन और पानी की तलाश में आसपास की आवासीय बस्तियों में चले आते हैं जहां पालतू पशु और आमजन पर हमला भी बोल देते हैं जिसमें कई बार लोगों की जान भी चली जाती है तो कई बार लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं इस तरह के मामले आए दिन प्रदेश भर में देखने को मिल रहे हैं ।इस तरह के मामलों को लेकर वन विभाग पुलिस जिला प्रशासन सभी काफी हैरान और परेशान हैं। हालांकि वन विभाग ने वन्य जीवों के जंगल में ही ठहरने की दिशा में पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश में कई जगहों पर जंगल में की गई तारबंदी या तो टूट जाती है या फिर जंगल में लकड़ी और वन्य जीवों का शिकार करने के प्रयास में शातिर लोग तारबंदी को तोड़कर उसमें से रास्ता निकाल लेते हैं जो बाद में वन्यजीवों के जंगल से निकलने के काम आ जाता है इसके अलावा कई जगह पर जंगल में तारबंदी भी स्थापित नहीं की गई है जिसकी वजह से पैंथर और अन्य जानवर जंगल छोड़कर भजन और पानी की तलाश में

आसपास की कॉलोनी में चले आते हैं और फिर पशुधन और आमजन पर हमला बोल देते हैं राजधानी जयपुर में भी पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग इलाकों में कई बारपैंथर का मूवमेंट देखने को मिला यहां तक की सिविल लाइन इलाका जहां पर मुख्यमंत्री राज्यपाल और सरकार के कई मंत्री रहते हैं उस इलाके में भी पैंथर का मूवमेंट देखने को मिला था सरकार के मंत्री सुरेश सिंह रावत के सरकारी बंगले पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पैंथर साफ नजर आया था जिसके बाद पैंथर को ट्रेंकुलाइजर करके पकड़ा भी गया इसके अलावा चांदपोल दुर्गापुर और कोई अन्य इलाकों में जयपुर में बार-बार पैंथर का मूवमेंट देखा गया जिसकी वजह से शहर के लोग काफी परेशान और चिंतित नजर आए इसके अलावा प्रदेश के कई अन्य जगहों में भी पैंथर का मूवमेंट आवासीय बस्तियों में और खेतों में देखने को मिला। इसलिए यह विषय जनप्रतिनिधियों के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है इसीलिए भाजपा विधायक जसवंत गुर्जर ने मंगलवार को इस विषय पर वन मंत्री से सवाल जवाब किया ।

सुभाष चौक थाने को फिलहाल दूसरी जगह शिफ्ट करने की योजना नहीं : गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर के परकोटे में कई सालों से जगह की कमी से जूझ रहे सुभाष चौक थाने को फिलहाल दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की सरकार की योजना नहीं है । यह बात प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में स्पष्ट रूप से बताई । गृह राज्य मंत्री ने विधानसभा में जानकारी दी कि सुभाष चौक थाने को बारियों का बाग इलाके में सरकारी जमीन पर शिफ्ट करने की सरकार की पहले योजना थी इस सरकारी जमीन पर नया पुलिस स्टेशन भवन तैयार करने की योजना थी लेकिन इस जमीन पर न्यायालय में मामला विचार अधीन है इसलिए इस योजना पर आगे कार्य नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल सुभाष चौक थाने को किसी अन्य जगहों पर शिफ्ट करने की कोई सरकार की योजना नहीं है । जानकारी के अनुसार हवा मेल विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कई सालों से जगह की कमी से जूझ रहे सुभाष चौक थाने को अन्यत्र जगह पर शिफ्ट करने की कार्रवाई के बारे में सरकार से सवाल जवाब किया था इसके जवाब में गृह राज्य मंत्री ने सरकार का रुख स्पष्ट किया । उल्लेखनीय है कि सुभाष चौक थाना इलाका शहर का संवेदनशील पुलिस स्टेशन माना जाता है लेकिन यह पुलिस स्टेशन शुरू से ही जगह की कमी से जूझ रहा है यहां जगह की कमी से ना तो कैदियों के लिए रखने के लिए समुचित जगह है न हीं पुलिस स्टेशन की कार्यशैली को बेहतर तरीके से संपादित करने और पुलिस स्टेशन में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यहां बैठने के लिए भी समुचित स्थान नहीं है यहां तक की इस पुलिस स्टेशन में कैदियों को भी रखने की जगह नहीं है इसलिए कैदियों को कस्टडी में रखने के लिए पुलिस को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ती है ।जगह की कमी से जूझ रहे सुभाष चौक पुलिस स्टेशन की इस

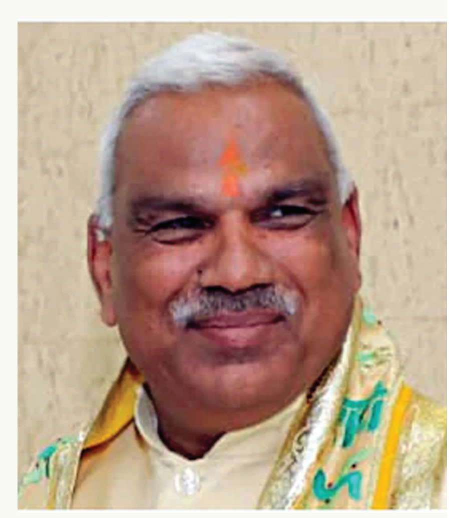

गंभीर समस्या से शहर पुलिस के संबंधित सभी बड़े अधिकारी अच्छी तरह से वाकिफ है इसके अलावा राजस्थान पुलिस मुख्यालय के बड़े अधिकारी भी सुभाष चौक पुलिस स्टेशन की वस्तु स्थिति से अच्छी तरह से वाकिफ है और इस पुलिस स्टेशन को दूसरी जगह पर शिफ्ट करने के लिए जनप्रतिनिधियों की ओर से भी कई बार विधानसभा में आवाज उठाई गई सरकार की ओर से भी समय-समय पर प्रयास किए गए लेकिन समुचित जमीन नहीं मिलने की वजह से यह समस्या सालों से बनी हुई है हालांकि बारियों का बाग में नया पुलिस स्टेशन भवन बनाने की योजना पर सरकार ने पूर्व में हरी झंडी दे दी थी लेकिन जमीन के विवादित होने और मामले का कोर्ट से जुड़े रहने की वजह से यहां सरकारी जमीन पर नया पुलिस स्टेशन भवन नहीं बन पाया अब भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने मंगलवार को फिर से सुभाष चौक थाने का मामला जोरदार तरीके से विधानसभा में उठाया ।

जयपुर में भूमाफिया के जेडीए फ्लैट्स पर किए गए अतिक्रमण का मामला गूंजा, रफीक खान ने उठाया मामला

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधान सभा में कांग्रेस पार्टी के सचेतक और जयपुर की आदर्श नगर विधानसभा सीट से विधायक रफीक खान ने राजीव गांधी आवासीय योजना में जेडीए की ओर से तैयार किए गए फ्लैट्स की दीवार तोड़कर भू माफिया की ओर से किए गए अतिक्रमण का मामला स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से उठाया ।रफीक खान ने विधानसभा में जानकारी दी कि राजीव गांधी आवासीय योजना में जेडीए के फ्लैट्स की दीवार तोड़कर करीब 300 मीटर तक भू माफिया की ओर से अतिक्रमण कर लिया गया लेकिन पुलिस और सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में जयपुर विकास प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी ने मामला भी दर्ज करवाया है लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं हो रही। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को ही जयपुर की सिविल लाइन विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक गोपाल शर्मा ने अवैध सिलेंडर रिफिलिंग का मामला विधानसभा में उठाया उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय खाद्य और रसद विभाग में व्यापक स्तर पर अवैध सिलेंडर रिफिलिंग हुई थी। यह कार्य एक बड़े गिरोह की ओर से किया जाता था और वह गिरोह अब

भी सक्रिय है जिस पर प्रदेश के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गोपाल शर्मा की ओर इंगित करते हुएकहा कि पिछली सरकार के समय इस विभाग के जो मंत्री थे उनके खिलाफ आप चुनाव लड़ चुके हो उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग में कोई भी उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ और हमारी सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग में कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं ।कई नवाचार किए हैं और पूरी ईमानदारी के साथ कार्य किया जा रहा है उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग में लाखों की संख्या में उन लोगों के नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटाए गए हैं जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी थी जो पिछली सरकार के समय से ही गरीबों के हित का अनाज और अन्य सामग्री डकार रहे थे तथा हमने बड़ी संख्या में जरूरतमंद गरीब लोगों के नाम खाद्य सुरक्षा से जुड़े हैं यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है हम भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रहे हैं ।

कृपलानी की राहुल गांधी पर की टिप्पणी को लेकर राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों का हंगामा, सदन की कार्रवाई स्थगित

भाजपा विधायक श्री चंद कृपलानी ने कहा लोकसभा में विपक्ष का नेता होने के नाते राहुल गांधी में मर्यादा और जिम्मेदारी के लक्षण होने चाहिए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चीन के भारत की सीमा में घुसपैठ किए जाने के बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जहां मंगलवार को जोरदार गतिरोध की स्थिति बनी रही तो राजस्थान विधानसभा में भी मंगलवार को राहुल गांधी के बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जोरदार टकराव के हालात देखने को मिले । कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने नारेबाजी और हंगामा किया जवाब में सत्ता पक्ष के विधायक भी राहुल गांधी को लेकर टीका टिप्पणी और शोरगुल करने लगे जिसकी वजह से सदन की कार्रवाई करीब 10 मिनट तक बाधित रही काफी हंगामा और नारेबाजी होता देखकर आसन ने सदन की कार्रवाई करीब 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी ।दरअसल राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण में चर्चा के दौरान भाजपा विधायक श्री चंद्र कृपलानी ने अपने भाषण में शुरू में ही राहुल गांधी का जिक्र किया और कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में एक कागज के टुकड़े के आधार पर अपनी बात कह रही हैं वे जिस

किताब की बात पर अपना मत रख रहे हैं वह किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है । इसलिए सिर्फ कागज के टुकड़ों के आधार पर उन्होंने देश के खिलाफ लोकसभा में बयान दिया जो शर्मनाक है उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और कांग्रेस पार्टी को चाहिए कि विपक्ष का नेता होने के नाते राहुल गांधी में मर्यादा और जिम्मेदारी के लक्षण भी होने चाहिए कृपलानी की यह बात सुनकर विपक्ष के नेता टीकाराम जूली गुस्से में हो गए और उन्होंने आसन की ओर इंगित करते हुए कहा कि राहुल गांधी का राजस्थान विधानसभा से कोई सीधा संबंध नहीं है फिर भी सत्ता पक्ष के सदस्य ने उनका जिक्र किया जो विधानसभा के नियम और कानून के खिलाफ है इसलिए सत्ता पक्ष के सदस्य की ओर से दिए गए बयान को अंकित नहीं किया जाए। जूली की यह बात सुनकर विपक्ष के अन्य विधायक भी खड़े हो गए और राहुल गांधी के समर्थन में जोरदार नारेबाजी करने लगे जवाब में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। श्री चंद कृपलानी ने कहा कि राहुल गांधी शुरू से ही भारत विरोधी बयान देते रहे हैं विदेशों में भी उन्होंने भारत विरोधी बयान दिया और उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत भी मांगे जिससे उनकी भारत विरोधी मानसिकता उजागर होती है। इस दौरान सरकार के मंत्री सुमित गोदारा ने यह कहकर कि राहुल गांधी डरपोक है और सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अपने बयान को लेकर माफी मांगनी पड़ेगी जिस पर कांग्रेस पार्टी के विधायक और गुस्से में हो गए और उन्होंने जोर-जोर से नारेबाजी और हंगामा करना शुरू किया। जवाब में सत्ता पक्ष विधायक भी राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे जिसकी वजह से विधानसभा में जोरदार शोरगुल और हंगामा की स्थिति पैदा हो गई आसान ने बार-बार सत्ता पक्ष और विपक्ष को शांत रहने की अपील की लेकिन दोनों ही पक्ष के सदस्य एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी और प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे जिसकी वजह से भारी शोरगुल होने की वजह से कुछ भी सुनाई नहीं दिया करीब 10 मिनट तक हंगामा होता रहा बाद में आसान ने सदन की कार्रवाई 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में राहुल गांधी ने पूर्व सैन्य अधिकारी नरवर की किताब का जिक्र करके कहा कि किताब में उल्लेखित है कि भारत की सीमा में चीन के टैंक घुस आए थे और जब भारत के सैन्य अधिकारियों ने इसके बारे में रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री से कहा तो रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। इस बात को लेकर लोकसभा में भी सत्ता पक्ष के लोगों ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक ऐसी किताब का जिक्र कर रहे हैं जो किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है सिर्फ कल्पित कागज के टुकड़े के आधार पर अपनी बात कह रहे हैं जो उचित नहीं है इसी बात को लेकर लोकसभा में भी सत्ता पक्ष के बीच काफी हंगामा हुआ राजस्थान में भी विधानसभा सत्र में इसी बात को लेकर सत्ता पक्ष और पक्ष के बीच आपस में तीखी बहस हुई और करीब 10 मिनट तक हंगामा हुआ

सिरप से बच्चों की कथित मौत का मामला विधानसभा में गुंजा : ब्लैकलिस्टेड कंपनियों से मिलीभगत का जूली ने लगाया आरोप

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंगलवार को सदन में कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामले में सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए तीखे प्रहार किए। जूली ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की लापरवाही और 'कमीशन के खेल' की कीमत प्रदेश के निर्दोष बच्चों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री के जवाब को अधूरा बताते हुए जूली ने सरकार पर मिलीभगत का सीधा आरोप लगाया। जूली ने खुलासा किया कि जिस कंपनी के सिरप से मौतें हुई हैं, वह देशभर में कई जगह ब्लैकलिस्टेड है। फिर भी राजस्थान में उसे सप्लाई का ठेका कैसे मिला? उन्होंने सदन में साक्ष्यों के साथ दावा किया कि जो दूषित बैच मध्य प्रदेश में मौतों का कारण बना, वही बैच राजस्थान की 'मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना' के जरिए बच्चों तक पहुँचाया गया। सदन के बाहर मीडिया से चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने केंद्र की मोदी सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को 'गुलामी का नया दस्तावेज' करार दिया। जूली ने कहा कि अमेरिका ने भारत को डराकर यह डील साइन कराई है, जो हमारी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देगी। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्यों भारत को रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद कर वेनेजुएला से तेल लेने को मजबूर किया जा रहा है? यह देश की रणनीतिक स्वायत्तता पर सीधा प्रहार है। जूली ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से दोषी कंपनियों पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज नहीं की और ट्रेड डील की शर्तों को सार्वजनिक नहीं किया, तो कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक उग्र आंदोलन करेगी। राजस्थान विधानसभा में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा की ओर से सिरप के सेवन से बच्चों की हुई मौत के मामले में उठाए गए विषय पर कहा कि सिरप पीने से जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें सरकार के किसी भी डॉक्टर की ओर से सिरप के लिए ना तो कोई पर्ची लिखी गई थी और ना ही सरकारी अस्पताल से दी गई सिरप से बच्चों की मौत हुई है उन्होंने कहा कि जब सरकारी डॉक्टर और प्रदेश के सरकारी अस्पताल की दवाई का बच्चों की सिरप से कोई सीधा ताल्लुक ही नहीं है यह बात पहले भी उन्होंने कही है और जांच पड़ताल के बाद ही उन्होंने पहले भी इस मामले में स्थिति स्पष्ट कर दी थी।

CMYK

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
4 फरवरी, 2026

क्या यही है प्रगतिकार्य!

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर भर में डाली गई सीवरेज लाइन की स्थिति सामने तब दिखाई पड़ती है जब वहां खानापूर्ति की स्थिति में वहां से गुजरते वाहन धंसते नजर आते हैं। यही दृश्य मंगलवार को एन ई बी क्षेत्र में देखने को मिला, जहां डाली गई सीवरेज लाइन वाली जगह एक ट्रक धस गया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटना हर दिन देखने को मिलती है। जहां डाली गई सीवरेज लाइन वाली जगह को जल्दबाजी में ठेकेदारों ने खाना पूर्ति करते हुए भर दी गई। इस स्थिति को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में कभी भी कोई जनहानि भी हो सकती है। कोई भी घटना का जिम्मेदार आखिर होगा कौन? ऐसे में प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और डाली गई सीवरेज लाइन की जांच भी करवाते हुए उसे पक्की करवाई जाए। गुस्साए क्षेत्र वासियों ने यहां तक कह दिया कि ये है 'प्रगतिकार्य'।

नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग को किया गया ध्वस्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा न्यास क्षेत्राधिकार में बिना न्यास स्वीकृति एवं भू-संपरिवर्तन कराए कृषि भूमि पर ग्रेवल सडक विकसित कर अवैध प्लॉटिंग, चारदीवारी को ध्वस्त करने की कार्रवाई गई। नगर विकास न्यास की सचिव धाइगुडे स्नेहल नाना ने बताया कि ग्राम सामोला के खसरा नं. 77, 80 के भूभाग पर करीब 4 बीघा कृषि भूमि पर अतरी, अनिशा, सुब्बा, अलीमोहम्मद, आलम, साहिरा, समेला, मामला व अन्य द्वारा विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार दस्ते द्वारा अम्बेडकर नगर योजना के एल ब्लॉक के भूखण्डों पर स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाकर न्यास भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं हनुमान चौराहा स्थित न्यास की भूमि पर बिना स्वीकृति के की जा रही अवैध ट्रक पार्किंग को हटाया गया एवं अतिक्रमण मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि न्यास द्वारा अवैध प्लॉटिंग एवं अवैध निर्माण/अतिक्रमण के विरूद्ध आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि न्यास द्वारा विकसित की गई आवासीय योजनाओं तथा न्यास द्वारा स्वीकृत की गई योजनाओं में ही भूखण्ड अथवा मकान खरीदे तथा किसी भी अनाधिकृत रूप से काटी गई अवैध कॉलोनियों में भूखण्ड अथवा भूमि नहीं खरीदे। इस दौरान अतिक्रमण निरोधक अधिकारी, क्षेत्रीय कनिष्ठ अभियन्ता के साथ टीम के सदस्य मौजूद रहे।

रसद विभाग की टीम द्वारा खेरली क्षेत्र में कार्रवाई कर 34 गैस सिलेंडर किए जब्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। रसद विभाग की टीम द्वारा घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु खेरली नगर पालिका के ईमली वाला कुआं सौंखर रोड खेरली में मनीष गैस रिफलिंग सेंटर पर कार्रवाई करते हुए 34 गैस सिलेंडरों को जब्त किया। जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि टीम द्वारा मौके पर मनीष गैस रिफलिंग सेंटर पर 34 गैस सिलेंडर अवैध रूप से संग्रहित पाये गए जिन्हें जब्त कर मैसर्स देवऋषि गैस एजेंसी खेरली को सुपुर्द किए गए। उन्होंने बताया कि अवैध गैस रिफलिंग का कार्य द्रविकृत पेट्रोलियम गैस (वितरण का विनियमन) आदेश के प्रावधानों का उल्लंघन है। जिले में घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने के लिए आगामी दिवसों में भी कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।

श्री श्याम कृपा महोत्सव में उमड़ा श्रध्दा का सैलाब

छप्पन भोग की झांकी व फूलों की होली रही आकर्षण का केन्द्र

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्रीराम मंदिर में श्री श्याम एकादशी भक्त मंडल, राम मंदिर चूरू की ओर से आयोजित दो दिवसीय श्री श्याम कृपा महोत्सव मन की बातां सांवरिया से कार्यक्रम के तहत सोमवार को भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा श्याम की अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान बाबा श्याम का भव्य अलौकिक दरबार सजाया गया। कार्यक्रम में छप्पन भोग की झांकी ने सभी का मन मोहा। कार्यक्रम का आगाज सूरतगढ़ की गायकार वैष्णवी जन्वेजा ने गणेश वंदना से किया। उन्होंने मोर छड़ी लहराई रे.....जैसे भजनों से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कोलकाता के रवि बेरीवाल ने श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, हारा हूं बाबा तेरा सहारा है, प्यारा सजा है....तेरा दरबार, तू खाटू बुलाता रहे में आता रहूं, जयपुर के आयुष सोमानी ने मुझको बना लें अपना चाकर, सजा दो घर को गुलशन सा मेरे श्याम आए हैं जैसे भजनों की प्रस्तुतियों से भक्तों को देर रात तक बांधे रखा। इस अवसर पर पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा और फूलों की होली आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम में बाबा श्याम का भव्य खजाना निकाला गया, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया गया। भजनों पर महिलाओं व पुरुषों ने देर रात तक जमकर नृत्य किया। समिति के पदाधिकारियों ने गायक कलाकारों का दुपट्टा पहनाकर व प्रतीक चिन्ह् प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, बुद्धि प्रकाश शर्मा, राकेश सराफ, संजय पारीक, मुकुल खेमका, गोपी, कमल, किशन, रमेश, मनोज, फूलचंद, उमाशंकर, अशोक वेद, गोविंद, सौरभ, कान्हा, अनिल, जगदीश, सूर्य प्रकाश, प्रेम, पुनीत, नंद किशोर, फूलचंद सहित समिति के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में साप्ताहिक समीक्षा, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, जिला स्तरीय आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पिछली जनसुनवाई में आए परिवादों की समीक्षा, बिजली, पानी सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति, केंद्र की विभागीय फ्लैगशिप योजना एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को सरकार की योजनाओं का आईईसी गतिविधियों के माध्यम से प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी दिए, ताकि पात्र लाभार्थी लाभान्वित हो सके।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में उन्होंने जिले में स्वीकृत जल योजनाओ एवं प्रस्तावित जल योजनाओ की प्रगति के सम्बन्ध मे चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत जल योजनाओं की निविदा एवं कार्य प्रगति की स्थिती की जानकारी प्राप्त की। अधीक्षण अभियंता धर्मवीर सिहं ने बताया कि जल जीवन मिशन में स्वीकृत 543 ग्रामों में से 504 ग्रामो (129764 जल कनेक्शन) के कार्यादेश के तहत 94858 जल कनेक्शन जारी किये जा चुके है। स्वीकृत 543 ग्रामों में 504 ग्रामों के कार्यादेश जारी, 39 ग्राम नान- फिजिबल/ शहरी हो गए है। जारी कार्यादेशो में से 257 ग्रामों की योजनाओं 100 प्रतिशत जल कनेक्शन कर, 93 ग्रामो की योजना ग्राम पंचायतों को हस्तारित की जा चुकी है। जल जीवन मिशन के 317 ग्रामों का कार्य भौतिक रूप से पूर्ण कर 219 ग्राम हर घर जल रिपोर्ट एव 57 ग्राम हर घर जल प्रमाणित किये जा चुके है, 93 ग्रामो की योजना ग्राम पचायतों को हस्तानान्तरित किए गए। जिस पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने प्रगति बढाने हेतू निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि अमृत 2.0 के अंतर्गत शहरी योजना टपूकड़ा एवं हृष्टर परियोजना के अंतर्गत शहर खैरथल का कार्य प्रगति पर है। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। जिला स्तरीय आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना समिति की बैठक के दौरान सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग अजीत बालयाण ने बताया कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना का प्रमुख उद्देश्य जन भागीदारी आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन करना तथा समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन शैली विकसित करना है। आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के तहत जिले की चिन्हित 5 ग्राम पंचायत में से जी ग्राम पंचायत के द्वारा 18 सूचकांकों की पूर्ण पालन की जाएगी उसे ग्राम पंचायत को 11 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दि जाएगी। इस पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने संबंधित सभी विभागों को सभी 18 सूचकांकों पर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ओमप्रकाश किराड, उपनिदेशक पशुपालन विभाग हवा सिंह जाट, सहायक अभियंता बिजली विभाग दिनेश भड़ाना, एसीएफ वन विभाग संजय चौधरी, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

प्लॉट के फर्जी दस्तावेज दिखाकर की 7.88 लाख की धोखाधड़ी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर के कोतवाली थाने क्षेत्र में प्लॉट दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों रुपए की ठगी करने का एक मामला सामने आया है। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने एक बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी व आपराधिक विश्वासघात की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवादी सियाराम स्वामी (33) पुत्र मुंशी स्वामी निवासी इंद्रा कॉलोनी अलवर ने मामला दर्ज कराया कि आरोपी पवन कुमार ने सियाराम से वर्ष 2018 में चंदबास गांव स्थित खसरा नंबर 1141 की भूमि में से प्लॉट नंबर 33 बेचने का सौदा 3.60 लाख रुपए में किया। इस सौदे के तहत इकरारनामा किया गया और धीरे-धीरे कुल 6.38 लाख रुपए विभिन्न किस्तों व रसीदों से लिए। इस दौरान आरोपी ने न तो प्लॉट का कब्जा दिया और न ही रजिस्ट्री कराई। बाद में आरोपी ने एक और प्लॉट मन्नाका गांव में होने का दावा करते हुए वर्ष 2023 में 8.01 लाख रुपए का नया सौदा कराया। इसमें 1.50 लाख रुपए चेक के जरिए लिए। जांच में सामने आया कि दोनों ही प्लॉट का आरोपी के पास कोई वैध टाइटल नहीं था। परिवादी का आरोप है कि आरोपी ने जानबूझकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे गुमराह किया। उसका फायदा उठाकर कुल 7.88 लाख रुपए हड़प लिए। बाद में आरोपी ने रकम लौटाने के नाम पर पांच चेक भी दिए, लेकिन उन्हें बैंक में लगाने से मना

कर दिया। आरोपी ने कहा कि आपके रुपए नकद दे दूंगा, लेकिन न तो रुपए लौटाए और न ही प्लॉट का कब्जा दिया। परिवादी ने कोर्ट में परिवाद पेश किया ओर इसमें बताया कि वह पंडिताई का काम कर परिवार का पालन-पोषण करता है। कई साल से शहर के इंद्रा कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है। उन्होंने बताया कि आरोपी पवन कुमार निवासी जनता कॉलोनी मूंगस्का अलवर ने उसे प्लॉट दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग समय पर करीब 8 लाख रुपए वसूल लिए परिवादी के अनुसार थाना कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी पवन खंडेलवाल के खिलाफ धारा 318 (4), 316 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। क्षेत्र के राष्ट्रीय राज मार्ग 11 पर सोमवार को प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। राजे जयपुर से बीकानेर जाते समय कुछ समय के लिए यहां रूकी थी। इस अवसर पर राजे ने रविवार को केन्द्र सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से प्रस्तुत किया गया बजट विकसित भारत की आधारशिला रखने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत तीसरी आर्थिक शक्ति बन कर उभर रहा है। राजे ने कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण की ओर से जारी बजट में महिला, किसान, मजदूर, युवा व व्यापारियों सहित देश के हर वर्ग के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर,आइटी, एआई व मैक इन इंडिया के माध्यम से टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी आर्थिक मदद की घोषणाओं से भारत वैश्विक स्तर पर तकनीकी क्षेत्र में विशेष पहचान बनाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से राजे का 51 किलो की फूल माला पहना कर स्वागत किया गया। अपने निर्धारित कार्यक्रम से तकरीबन 5 घंटे देरी से पहुंचने के बावजूद भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजे का इंतजार किया एवं उत्साह पूर्वक उनका स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व पालिकाध्यक्ष पूनमचंद बैद, लीटूकल्पनाकांत, किशोरलाल बील, भाजपा के पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सीमार, भाजपा जिला मंत्री भारती मुद्गल, अनील मेघवाल, लालचंद

पंवार, पार्षद नंदकिशोर भार्गव, श्याम पारीक, किसान नेता गंगाधर थालोड़, नवल महर्षि, पिथा राम ज्यानी, भरत सैनी, दामोदर भार्गव, छोटू चौमाल, गोपाल पारीक, नेमीचंद हरितवाल, विकास रिणवां, गोपाल पारीक, सत्यपाल गोतम, सांवरमल जोशी, राधेश्याम रांकावत, मनीष रिणवां, रमेश पारीक, मनीराम पंवार, गोरी शंकर जालान, पूणाराम गोदारा, उमाशंकर दाधिच, मदन लाल दाधिच, गोरी शंकर चोटिया, देवानंद पिपलवा दुर्गा दत्त गोयनका,कुशाल सिंह, रामोतार धानुका, हनुमान सिंह राजपुरोहित, संजय जांगीड़, विजय कुमार चोटिया, मुरलीधर मंडगीरा, मदन माली,रामकिशन नोहाल, पराकेश शर्मा आईस, मुकेश रिणवा, बनवारी लाल सोनी, आशुतोष पुरोहित, दिपक डिडवानिया, मनोज जोशी, संजय पुरोहित, किशनलाल भाटी, सुरेन्द्र जांगीड़, गोविंद सोनी, धर्मपाल जांगीड़,लालचंद पंवार, हरिप्रसाद पंवार, सत्यपाल गौतम, पूसराज हरितवाल, अभिषेक महर्षि, धर्मचंद जांगिड़, राकेश जांगिड़, श्याम रांकावत, ओमप्रकाश चौमाल, जुलकिशोर प्रजापत, छगनलाल मंडार, पुटिया राजा, लालचंद सोनी, बाबूलाल सारस्वत सहित सैकड़ों भाजपाई उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा कचरा फैलाने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई कर 10 हजार से अधिक रूपये की शास्ति आरोपित की

खुले में कचरा फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई, शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की कि अपील

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नगर निगम की स्वच्छता शाखा एवं संबंधित टीमों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाकर सड़कों, सार्वजनिक स्थानों, खाली भूखण्डों एवं खुले क्षेत्रों में कचरा फैलाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध नगर निगम अधिनियम एवं स्वच्छता नियमों के अंतर्गत कार्रवाई कर 10 हजार 100 रूपये की शास्ति आरोपित कर मौके पर ही वसूल की गई। साथ ही संबंधित व्यक्तियों से उसी स्थान पर फैला हुआ कचरा साफ करवाया गया तथा उन्हें भविष्य में खुले में कचरा न फैलाने एवं स्वच्छता नियमों का पालन करने के संबंध में समझाइश की गई। नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने बताया कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम द्वारा खुले में कचरा फैलाने, सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने एवं स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमित रूप से सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, खाली भूखण्डों एवं अन्य खुले क्षेत्रों में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नगर निगम की जीरो टॉलरेंस नीति प्रभावी रूप से लागू है। इस नीति के अंतर्गत आगे भी ऐसे सभी व्यक्तियों के विरुद्ध नियमित निरीक्षण कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाती रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाए रखने के लिए आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील कि है कि वे कचरा निर्धारित स्थानों एवं कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालें, सार्वजनिक स्थानों को गंदा न करें तथा स्वच्छता नियमों का पालन कर नगर निगम के प्रयासों में सहभागी बनें। नगर निगम द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के स्वच्छता अभियान एवं कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी, ताकि शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

सानिया अस्पताल की तत्परता से तीन वर्षीय बच्ची की जान बची

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने समय रहते की जटिल सर्जरी, हालत में तेजी से सुधार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सानिया अस्पताल में चिकित्सकीय तत्परता और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के संयुक्त प्रयास से तीन वर्ष की एक मासूम बच्ची की जान बचा ली गई। बच्ची अनजाने में चॉकलेट के रैपर में लिपटा पटाखा खा बैठी, जिससे उसके चेहरे, मुंह और जबड़े के हिस्से में गंभीर व जटिल चोटें आईं और उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक हो गई।

घटना के तुरंत बाद परिजन बच्ची को सानिया अस्पताल की आपातकालीन सेवा में लेकर पहुंचे, जहां डॉ. साद द्वारा बिना देरी के तत्काल प्राथमिक उपचार किया गया। बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत आईसीयू में भर्ती कर निरंतर चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया तथा आवश्यक जांच एवं उपचार शुरू किया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. तैयब खान ने बताया कि मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सानिया अस्पताल की अनुभवी मैक्सिलोफेशियल सर्जरी टीम द्वारा आपातकालीन सर्जरी का निर्णय लिया गया। यह जटिल सर्जरी ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. जयंत थरेजा के नेतृत्व में उनकी टीम–डॉ. एंजल एवं डॉ. सनत (ओरल सर्जन्स)–द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की गई। सर्जरी के दौरान एनेस्थीसिया का कुशल प्रबंधन डॉ. राजेश ने किया, जबकि ऑपरेशन थिएटर में ओटी सिस्टर कविता का सहयोग सराहनीय रहा। समय पर किए गए सटीक उपचार, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की दक्षता के परिणामस्वरूप बच्ची की हालत में तेजी से सुधार हुआ है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार बच्ची अब पूरी तरह खतरे से बाहर है और चिकित्सकीय देखरेख में स्वस्थ हो रही है।

अपील: इस अवसर पर डॉ. तैयब खान ने अभिभावकों से अपील की कि छोटे बच्चों को किसी भी संदिग्ध, विस्फोटक अथवा खाने योग्य न होने वाली वस्तुओं से दूर रखें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें।

सबको बीमा अभियान 2047 के तहत जिले के 9 गांव शत-प्रतिशत बीमित गांव घोषित

डॉक्यूमेंट्री फिल्म, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, युवाओं की सक्रिय भागीदारी एवं सामाजिक सहभागिता से दिया गया बीमा जागरूकता का संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारत सरकार एवं भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण की 2047 की दूरदर्शी परिकल्पना को साकार करने की दिशा में सबको बीमा अभियान 2047 के अंतर्गत भारतीय बीमा के क्षेत्र के इतिहास में जिले में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रताप ऑडिटोरियम में शत-प्रतिशत बीमित ग्राम घोषणा समारोह आयोजित हुआ, जिसमें जिले की चयनित 9 ग्रामों को औपचारिक रूप से शत-प्रतिशत बीमित ग्राम घोषित किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने कहा कि सबको बीमा अभियान आमजन को बीमा से जोडकर उनके जीवन को संरक्षित करने की अनौखी पहल है। देश में ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित करते हुए जिले के 9 ग्राम पूर्णतः बीमित हुए हैं, यह अलवर जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल बीमा के सामाजिक महत्व को रेखांकित करता है, बल्कि वित्तीय सुरक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व और जन-जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि समारोह का मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक यह संदेश पहुँचाना है कि बीमा केवल एक आर्थिक साधन नहीं, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा का सशक्त आधार है। जिला प्रशासन, बीमा क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और युवाओं की व्यापक सहभागिता ने इस आयोजन को एक जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया, जिससे बीमा जागरूकता को नई दिशा मिली है। राज्य बीमा एवं जीपीएफ विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार दास ने सबको बीमा योजना के सम्पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बीमा केवल वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का आधार है। उन्होंने विशेष रूप से विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं से कहा कि युवा देश का भविष्य है। आने वाले समय में यही युवा देश के नीति-निर्धारक बनेंगे, अतः उनका स्वयं बीमित होना और अपने परिवार को बीमा सुरक्षा से जुडना अत्यंत आवश्यक है। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक मैथ्यू जॉर्ज ने कहा कि अलवर में जिस प्रकार योजनाबद्ध, पारदर्शी और समन्वित ढंग से बीमा कवरेज सुनिश्चित किया गया है, वह पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल है।

जिले के 9 ग्रामों को पूर्ण बीमित घोषित करने की ऐतिहासिक घोषणा

सबको बीमा अभियान 2047 के अंतर्गत सुरखित भारत-बीमित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना को जमीनी स्तर पर साकार करते हुए अलवर जिले ने देश में ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित करते हुए 9 ग्रामों को औपचारिक रूप से शत-प्रतिशत बीमित ग्राम घोषित किया गया। यह प्रदेश और देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। बीमा कवरेज के अंतर्गत संबंधित बीमा पॉलिसियाँ यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा विधिवत जारी की गईं, जिससे इन नौ ग्रामों में सभी वयस्क नागरिकों को पूर्ण बीमा कवरेज सुनिश्चित किया गया।

डॉक्यूमेंट्री एवं सूचना फिल्म का प्रभावशाली प्रदर्शन

समारोह में बीमा जागरूकता पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं सूचना फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इन फिल्मों के माध्यम से बीमा की आवश्यकता, इसके लाभ, सामाजिक सुरक्षा में इसकी भूमिका और सबको बीमा अभियान 2047 के उद्देश्यों को अत्यंत सहज एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। डॉक्यूमेंट्री में संदेश दिया कि बीमा केवल कागज़ी औपचारिकता नहीं, बल्कि सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की बुनियाद है। इस दौरान थानागाजी के ग्राम कुंडलका के बीमा लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। अभिनय जैन बी.एड. कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा बीमा के सामाजिक महत्व पर आधारित नाट्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षाविद दिनेश शर्मा ने किया। इस दौरान सूचना एवं जनसर्म्पक कार्यालय अलवर की ओर से राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री का वितरण कराया गया। आगन्तुकों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इससे राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी, जिससे अन्य लोगों को भी लाभांवित कराने में सहयोग करेंगे। इस अवसर पर यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की महाप्रबंधक लिपिका कालरा, उप महाप्रबंधक आलोक जैन एवं ललित कुमार, निकुंज सांघी, अमित श्यामसुखा, अशोक आहूजा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, राज्य बीमा प्रावधायी निधि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मिट्टी का गड्ढा खोदने के दौरान मिट्टी धसने से चार मजदूर दबे दो की मौत, दो गंभीर घायल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। प्रदेश के पाली जिले के सोजत में चुडावल गांव में पानी की पाइपलाइन के लिए मिट्टी का गड्ढा खोदने के दौरान मिट्टी धसने से गड्ढा खोदने के दौरान मिट्टी धसने से चार मजदूर मलबे के नीचे दब गए जिसमें दो मजदूरों की मौत होने की जानकारी मिली है और दो मजदूर गंभीर अवस्था में मलबे से बाहर निकाल लिए गए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां दोनों मजदूरों की हालत स्थिर बताई गई है जानकारी के अनुसार चुडावल में पानी की पाइपलाइन के लिए गड्ढा खोदने के कार्य में चार मजदूर लगे हुए थे अचानक मिट्टी धष गई जिसकी वजह से वहां काम कर रहे चारों मजदूर मलबे के नीचे दब गए जिसकी वजह से आसपास के इलाके में खलबली मच गई बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और मिट्टी के मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकलने का युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू किया गया पुलिस और प्रशासन से जुड़े अधिकारी भी सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंचे इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने दो मजदूरों को तो घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया लेकिन दो अन्य मजदूर मिट्टी के मलबे में दबने की वजह से दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई ।

अल्पसंख्यक अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानांतरण में द्वेषपूर्ण का आरोप

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन जिला धौलपुर ने राज्य सरकार की ओर से जारी हालिया प्रशासनिक स्थानांतरण सूचियों में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ हो रहे कथित भेदभाव को लेकर गहरी नाराज़गी व्यक्त की है। इस संबंध में संगठन की ओर से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर धौलपुर के माध्यम से एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। राकमा जिला अध्यक्ष राशिक बेग ने बताया कि राज्य में जारी स्थानांतरण नीतियों के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से दूरस्थ, दुर्गम व असुविधाजनक स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है, जबकि अन्य वर्गों के कर्मचारियों के मामलों में समान मापदंड नहीं अपनाए जा रहे हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि संवैधानिक समानता के सिद्धांतों के भी विपरीत है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे अधिकारी व कर्मचारी, जिनके पति-पत्नी दोनों राज्य सेवा में हैं, जिनका सेवा रिकॉर्ड उत्कृष्ट रहा है अथवा जिन्हें राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, उन्हें भी बिना किसी ठोस प्रशासनिक कारण के दूर स्थानों पर भेज दिया गया है। इससे संबंधित कर्मचारियों को पारिवारिक, सामाजिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष राशिक बेग ने मांग की कि जिन अल्पसंख्यक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्थानांतरण के विरुद्ध आपत्तियां एवं अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं, उनकी निष्पक्ष व संवेदनशीलता के साथ समीक्षा कर ऐसे स्थानांतरण आदेशों को निरस्त अथवा संशोधित किया जाए। साथ ही भविष्य में स्थानांतरण एवं पदस्थापन के दौरान अल्पसंख्यक वर्ग के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। राकमा ने राज्य सरकार से अपील की है कि अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी समान अवसर, सम्मान और न्याय प्रदान किया जाए। संगठन ने भरोसा जताया कि सरकार इस गंभीर विषय पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए न्यायपूर्ण कार्रवाई करेगी। ज्ञापन देने वालों में शहज़ाद खान जलमानी, जावेद बेग, नौशाद खान, शकील खान, तमन्ना अख्तर, रूबी खान, बेबी आसमा, अनवर अहमद,फिरोज खान, रईस फारुकी व अन्य मौजूद रहे।

सीडीईओ व डीईओ माध्यमिक ने किया पुरस्कृत शिक्षकों की पट्टिका का अनावरण

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान शाखा धौलपुर के पुरस्कृत शिक्षकों के नाम की पट्टिका बोर्ड का विमोचन व अनावरण सीडीईओ कार्यलय में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार मंगल एवं डीईओ कार्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुक्खो देवी रावत ने किया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार मंगल,जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक धौलपुर सुक्खो देवी रावत व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी पप्पू सिंह सिकरवार, रमाकांत शर्मा एवं संस्थापन अधिकारी अशोक उपाध्याय ने जिले के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सरकार से सम्मानित शिक्षकों को जिले का गौरव बताया। उन्होंने पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान शाखा धौलपुर के पुरस्कृत शिक्षकों के नाम के बोर्ड का अनावरण कर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि सम्मानित शिक्षकों के कार्य शिक्षा की गुणवत्ता,नवाचारों, सरकारी योजनाओं व सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे कार्यों को करके अन्य शिक्षक भी प्रोत्साहित होंगे। पुरस्कृत शिक्षक फोरम के जिला अध्यक्ष सुरेश गोस्वामी एवं सचिव भगवान सिंह मीना ने बताया कि शिक्षकों के नाम,शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करने के लिए विद्यालयों या सरकारी कार्यालयों में पुरस्कृत शिक्षकों के नाम का बोर्ड लगाया जाता है। यह पहल शिक्षकों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें समाज में सम्मान दिलाने के लिए की जाती है। इस पहल को साकार रूप देने में सहभागी बनने के लिए सीडीईओ,डीईओ का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि जिले में पुरस्कृत शिक्षक फोरम सदैव जिले की शिक्षा की बेहतरी के लिए अग्रणीय होकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य पुरस्कृत प्राचार्य अतुल चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों को प्रेरणास्त्रोत के रूप में प्रदर्शित करना तथा यह बोर्ड छात्रों और अन्य शिक्षकों को अकादमिक उत्कृष्टता की ओर प्रोत्साहित करता है। यह प्रक्रिया आमतौर पर शिक्षक दिवस (5 सितंबर) या राज्य के विशिष्ट सम्मान समारोहों के दौरान होती है। पट्टिका अनावरण के इस अवसर पर पुरस्कृत शिक्षक फोरम के राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित शिक्षक सुरेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि जल्द से जल्द जिले के विधायकों को पुरस्कृत शिक्षकों को दी जाने वाली अतिरिक्त वेतन वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने का कार्य किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का खेजड़ी बचाओ आंदोलन को समर्थन और कहा 'मैं भी खेजड़ी की पूजा करती हूं'

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। प्रदेश के बीकानेर में बिश्नोई धर्मशाला के सामने साधु संत महिलाएं और खेजड़ी बचाओ आंदोलन से जुड़े 365 लोग आमरण पर बैठ गए हैं यह आंदोलन लगातार जोर पकड़ता जा रहा है और सभी जाति और बिरादरी के लोगों का खेजड़ी बचाओ आंदोलन को समर्थन मिल रहा है कांग्रेस पार्टी के भी कई बड़े नेता और पूर्व मंत्री इस आंदोलन में उतर गए हैं दूसरी तरफ राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने संदेश में लिखा है कि मैं भी खेजड़ी की पूजा करती हूं उनके इस संदेश के बाद साफ जाहिर है कि वसुंधरा राजे का भी इस आंदोलन को पूरा समर्थन मिल गया है मंगलवार को वसुंधरा राजे बीकानेर में ही थी और बीकानेर में ही यह आंदोलन विकराल रूप धारण करता जा रहा है हालांकि आंदोलन से जुड़े लोग शांतिपूर्वक तरीके से गांधीवादी तरीके से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं लेकिन इस आंदोलन से जुड़े 50 से ज्यादा प्रमुख साधु संतों का कहना है कि चाहे हमारी जान चली जाए लेकिन हम अपनी मांग पर अधिक हैं और मरते दम तक खेजड़ी की रक्षा करेंगे जानकारी के अनुसार बीकानेर में सोलर प्रोजेक्ट लगाने के सिलसिले में बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ काटे जा रहे हैं यह मामला राजस्थान विधानसभा में भी रविंद्र सिंह भाटी ,हरीश चौधरी और कई विधायकों ने उठाया है हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विभिन्न जनसभाओं में यह पहले ही कह चुके हैं कि सरकार वृक्षारोपण और पेड़ों को लेकर गंभीर है पिछले 2 साल में 20 करोड़ नए पेड़ लगाए गए हैं इसलिए सरकार खुद पेड़ और वन के संरक्षण के लिए गंभीर है और किसी योजना के तहत और प्रोजेक्ट के तहत अगर पेड़ काटे भी जाते हैं तो सरकार की ओर से प्रावधान किया गया है कि पेड़ काटने वाली कंपनी उतने ही पेड़ वहां पर स्थापित करेगी इसलिए सरकार का तर्क है कि प्रदेश का विकास भी जरूरी है कंपनियों का आना भी जरूरी है निवेश का आना भी जरूरी है ताकि प्रदेश में रोजगार के अच्छे अवसर बने और लोगों का जीवन खुशहालहो दूसरी तरफ खेजड़ी बचाओ आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में सोलर प्रोजेक्ट और कई अन्य नई योजनाओं से बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ काटे जा रहे हैं इसलिए संतुलित पर्यावरण और मानव जीवन के लिए यह बिल्कुल ठीक नहीं है इससे मानव और जीव जंतु बुरी तरह से प्रभावित होंगे और यह एक तरीके से भयंकर विनाश की स्थिति पैदा कर सकती है इसीलिए पश्चिमी राजस्थान के साधु संतों का इस आंदोलन को पूरा समर्थन ही नहीं मिल रहा बल्कि साधु संत खुद इस आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं बड़ी संख्या में महिलाएं भी सामूहिक अनशन पर बैठी हुई है कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी बीडी कल्ला जैसे कई बड़े नेता इस आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दे रहे ।

जयपुर में कैफे पर बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग, इलाके में दहशत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं इसका ताजा उदाहरण जयपुर के शिप्रा पथ थाना इलाके में देखने को मिला जहां पर कर में सवार बदमाशों ने एक कैफे के मालिक को डराने और धमकाने के प्रयास में वहां पर अंधाधुंध फायरिंग की फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए लेकिन फायरिंग करने का दृश्य वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है और घटनास्थल से आवश्यक सबूत जुटाए हैं और सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बदमाशों के चेहरों के आधार पर उन्हें चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस ने इस मामले में कैफे के मालिक और वहां तैनात कर्मचारियों से भी पूछताछ की है फायरिंग की यह घटना शिप्रा पथ थाना इलाके में कैफे आरजे 21 पर हुई है खबर लिखे जाने तक इस मामले में पुलिस के हाथ खाली थे पुलिस इस बात का भी पता लग रही है कि फायरिंग करने वाले लोग भाड़े के थे या फिर उन्होंने हफ्ता वसूली के लिए दहशत फैलाने के मकसद से यह फायरिंग की इन सवालों के बारे में ऐसे के मालिक से भी पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि क्या उनकी किसी से पुरानी दुश्मनी चल रही है या फिर उनके पास हफ्ता वसूली के लिए कोई कॉल आया था या फिर यह फायरिंग की घटना किसी ताजा विवाद को लेकर हुई इसके बारे में भी जांच पड़ताल की जा रही है लेकिन जिस तरह से वहां पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की उससे इलाके में रहने वाले लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीर साफ दिखाई दे रही है बदमाशों का इस तरह से निडर होकर फायरिंग करना और बड़े मजे से मौके से फरार हो जाना और फिर पुलिस का कई घंटे के बाद भी बदमाशों को चिन्हित नहीं कर पाना स्थानीय लोगों के लिए जरूर चिंता का विषय बन गया है हालांकि पुलिस का कहना है कि बहुत जल्दी इस मामले में फरार बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा ।

चोरी के शक में.दो युवकों की नग्न करके भीड़ ने कर दी धुनाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। बारा में चोरी के शक में लोगों ने दो युवकों की नग्न करके पिटाई कर दी करीब आधे घंटे तक लोगों ने दोनों युवकों को बंधक बनाए रखा और सरेआम सड़क पर नग्न करके उन्हें पीटा गया बाद में सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवाओं को लोगों के कब्जे से मुक्त कराकर अपने कब्जे में लिया पुलिस दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है पुलिस युवकों को नग्न करने वाले लोगों की भी पहचान कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का मन बना रही है जानकारी के अनुसार लोगों के गुस्से का शिकार बने दोनों युवकों ने जोर जबरदस्ती और दादागिरी से नकदी और मोबाइल फोन चुरा लिया था इसलिए आसपास के लोगों ने घेराबंदी करके दोनों युवकों को पकड़ लिया और फिर सड़क पर दोनों युवकों की सरेआम पिटाई की गई इतना ही नहीं गुस्से ही गुस्से में लोगों ने दोनों युवक के शरीर से पूरे कपड़े उतार लिए और फिर नग्न अवस्था में ही दोनों युवक की जोरदार पिटाई की गई इस दौरान दोनों युवक हाथ जोड़कर दया की भीख मांगते रहे लेकिन वहां मौजूद लोगों ने युवकों पर दया नहीं करके जिसके मन में जैसा आया वैसा ही सलूक दोनों लड़कों के साथ किया किसी ने हाथ से चांटा मारा तो किसी ने लात मारी तो किसी ने लाठी से दोनों लड़कों की पिटाई की ग्रामीण की पिटाई से दोनों लड़के काफी घबरा गए और उनके चोट भी आई बाद में पुलिस ने बीच बचाव करके दोनों लड़कों को उग्र भीड़ से छुड़वाया और अपने कब्जे में लिया पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है पुलिस का कहना है कि भले ही दोनों लड़कों ने चोरी की हो लेकिन सरेआम इस तरह से कानून को हाथ में लेना और लड़कों को नग्न करके पिटाई करना कानून के दायरे में नहीं आता अगर बर्बर पिटाई से दोनों लड़कों की मौत हो जाती तो इसका जिम्मेदार कौन होता इसलिए पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल कर रही है ।

ग्रामीण और पुलिस के बीच हिंसक झड़प, दोनों ही पक्ष के लोग हुए घायल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। प्रदेश के फलौदी के धोलासर गांव में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीण और पुलिस के बीच आपस में जोरदार भिड़ंत हुई आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस और अन्य सरकारी विभागों के वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और ग्रामीण की ओर से किए गए पथराव से पुलिस प्रशासन और अन्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी चोट लगने की वजह से घायल हुए हैं पुलिस की जवाबी कार्रवाई में ग्रामीण भी घायल हुए हैं इस हिंसक भिड़ंत में दोनों ही पक्ष के लोग घायल हुए हैं हालांकि बाद में मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा इस मामले में पुलिस की ओर से आवश्यक कानूनी करवाई थी की जा रही है खबर लिखे जाने तक मौके पर तनावपूर्ण हालात बने हुए थे लेकिन स्थिति नियंत्रण में थी जानकारी के अनुसार धोलासर गांव में सड़क निर्माण का ग्रामीण विरोध कर रहे थे इस मामले में ग्रामीणों के एक वर्ग की ओर से कोर्ट से स्टे लेने का भी प्रयास किया गया लेकिन उन्हें स्ट नहीं मिल पाया इसके बाद पुलिस प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में सड़क निर्माण का कार्य जारी था जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने वहां पुलिस प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों पर पत्थर फेंकने शुरू किया ।

डोटासरा ने प्रदेश के पुलिस जवानों का अपमान किया, प्रदेश के जवानों में भी है गुस्साः गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष का राजस्थान विधानसभा में गृहमंत्री अमित शाह की ओर से पुलिस कांस्टेबल को दिए गए नियुक्ति पत्र पर दिया गया बयान बेहद ही शर्मनाक है डोटासरा ने अपने इस बयान से प्रदेश के सिपाहियों का अपमान किया है उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के कांस्टेबल कड़ाके की ठंड भीषण गर्मी और बरसात में बिना छुट्टी लिए 24 घंटे शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी देते हैं उनके लिए डोटासरा ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया उससे प्रदेश के पुलिस जवानों में भी डोटासरा को लेकर गुस्सा छाया हुआ है उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह सिर्फ राजस्थान पुलिस के जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए यहां आए थे और उनके हाथों से कांस्टेबल को नियुक्ति पत्र दिलवा कर प्रदेश की भजनलाल सरकार ने कांस्टेबलों का उत्साह और मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया था लेकिन गोविंद सिंह डोटासरा को कांस्टेबल का यह सम्मान अच्छा नहीं लगा जो शर्मनाक है एक अन्य सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में चंद कृपलानी ने अगर यह कहा कि राहुल गांधी हमेशा देश विरोधी बयान देते हैं तो इसमें गलत क्या है उन्होंने कहा कि चंद कृपलानी के बयान पर एतराज करने वाले कांग्रेस पार्टी के विधायकों को यह भी सोचना चाहिए कि विधानसभा में डोटासर ाने देश के गृह मंत्री अमित शाह के लिए भी बयान दिया था उस समय कांग्रेस के विधायकों को यह क्यों नहीं लगा कि अमित शाह राजस्थान विधानसभा के सदस्य नहीं है और राहुल गांधी के बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी के विधायक यह कहते हैं कि राहुल गांधी राजस्थान विधानसभा से संबंध नहीं रखते हैं तो फिर उनका नाम क्यों लिया गया उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद राजस्थान विधानसभा में हंगामा और नारेबाजी के मकसद से आकर माहौल बिगड़ने का प्रयास करती है राजस्थान विधानसभा में सार्थक चर्चा हो जनता से जुड़े विषयों पर अच्छा संवाद हो इस उद्देश्य के साथ कांग्रेस पार्टी के विधायक विधानसभा में आते ही नहीं । गृह राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हमारी सरकार पुलिस के जवानों का मान सम्मान और उनका पूरा आदर करती है क्योंकि वह होली दिवाली और कोई भी बड़ा त्यौहार अपने घर वालों के साथ एंजॉय नहीं करते बल्कि हमारी रक्षा में हमेशा ड्यूटी देते रहते हैं अगर ऐसे पुलिस कांस्टेबल को देश के गृहमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र दिलवाया जाए तो इससे बढ़कर नौजवान कांस्टेबल के लिए सम्मान की बात और क्या हो सकती है यही कार्य हमारे भजन लाल सरकार ने किया है ।

मोदी सरकार की योजनाओं से लघु एवं कुटीर उद्योगों को मिल रही है नई मजबूतीः मदन राठौड़

राजस्थान में 42.95 लाख से अधिक एमएसएमई पंजीकृत, 55 हजार करोड़ से अधिक की ऋण गारंटी उपलब्धः मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के माध्यम से देशभर में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। राजस्थान सहित पूरे देश में एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), खादी विकास योजना (केवीवाई), ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) और कोयर विकास योजना (सीवीवाई) जैसी प्रमुख योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राज्यसभा में मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे ने यह जानकारी सदन को दी। राठौड़ ने बताया कि उद्यम पंजीकरण एवं उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म के आंकड़ों के अनुसार 1 जुलाई 2020 से 25 जनवरी 2026 तक राजस्थान में कुल 42,95,930 एमएसएमई इकाइयां पंजीकृत की गई हैं, जो राज्य में औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार सृजन की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के माध्यम से क्रेडिट गारंटी योजना लागू की जा रही है। 31 दिसंबर 2025 तक की स्थिति में राजस्थान में इस योजना के अंतर्गत 5,97,050 ऋण गारंटियों के माध्यम से 55,021 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की जा चुकी है। राठौड़ ने बताया कि हस्तशिल्प, पत्थर-शिल्प एवं वस्त्र उद्योग जैसे परंपरागत क्षेत्रों को बढ़ावा देने हेतु एमएसई-क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान में 4 सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन हेतु निधि (स्फूर्ति) योजना के तहत राज्य में 20 क्लस्टर स्वीकृत, जिनमें से 16 क्रियाशील तथा 4 निर्माणाधीन हैं। एमएसएमई इकाइयों को निर्यात से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक के लिए निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को मंजूरी दी है, जिसके तहत निर्यात वित्त, ब्याज छूट, ई-कॉमर्स निर्यातकों को ऋण, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता व अनुपालन सहायता, लॉजिस्टिक्स और बाजार पहुंच जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। केंद्र सरकार के ये प्रयास विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं और राजस्थान के उद्यमियों को नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

सदन में डोटासरा और दिलावर भिड़े, दोनों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बीच पिछले कई महीनो से आपस में जोरदार राजनीतिक जंग छिड़ी हुई है यह राजनीतिक जंग अब व्यक्तिगत लड़ाई का रूप भी लेने लगी है मंगलवार को भी इन दोनों नेताओं के बीच राजस्थान विधानसभा में आपस में जोरदार भिड़ंत हुई दोनों नेताओं ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए । राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, पेपर लीक, स्कूलों में नामांकन कम होने, शैक्षणिक सत्र के बीच ही शिक्षकों का ट्रांसफर, शिक्षकों की कुत्ता भागने और राम कथा में ड्यूटी लगाने जैसे कई विषयों पर अपनी बात कही डोटासरा ने अपने भाषण में प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर जोरदार हमला बोला और कहा कि शिक्षा मंत्री रोज मुझे जेल भेज रहे हैं और मैं रोजाना ना धोकर तैयार हो जाता हूं लेकिन जेल अभी नहीं आई उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पौने दो लाख नामांकन कम हुए हैं और शैक्षणिक सत्र के बीच ही शिक्षकों के ट्रांसफर कर दिए गए शिक्षकों को कुत्ते भगाने की ड्यूटी दी जा रही है और फिर राम कथा में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है ऐसे में प्रदेश में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने की बड़ी जरूरत है उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और मंत्री ही परेशान हैं उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री अपने आवास पर फाइल मंगवाते हैं डोटासरा ने आरोप लगाया कि टेंडर की फाइल आवास पर नहीं मंगवाए जा सकती इस तरह से कई विषयों को लेकर डोटासरा ने शिक्षा मंत्री को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जिस पर सदन में मौजूद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की उनसे चर्चा के दौरान ही गरमा गरम बहस हो गई मदन दिलावर ने कहा कि पिछले सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही शिक्षकों के सम्मेलन में शिक्षकों से ट्रांसफर में पैसा लेने की बात पूछी तो शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के सामने ही स्वीकार किया कि हां उनसे पैसे लिए जाते हैं जिस पर डोटासरा ने दिलावर पर तंज करते हुए कहा कि मेरे दादाजी हमेशा मुझे कहते थे कीचड़ पर पत्थर मत मांगना कीचड़ का कुछ नहीं बिगड़ेगा बल्कि तुम्हारे कपड़े खराब हो जाएंगे यह कहकर डोटासराने दिलावर को इंगित करते हुए कहा कि मैं आपके आरोप कभी भी गंभीरता से नहीं लिए और जवाब देना भी मुनासिब नहीं समझता डोटासराने राज्यपाल के अभी भाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि पेपर लीक के मामले की जांच को लेकर रोजाना भाजपा नेताओं और सरकार की ओर से बयान बाजी की जा रही है अगर ऐसा है तो पिछले 12 साल के पेपर लीक की घटनाओं की जानकारी सीबीआई से करवाओ उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 से 2017 के बीच भी शिक्षक भर्तीऔर अन्य सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे हमारी सरकार में भी पेपर लीक हुए हमने जांच करवाई और अगर हमारी जांच में कोई कमी रह गई है तो इसकी भी अब जांच करवा लो लेकिन रोज-रोज पेपर लीक पेपर लीक की की बात कह कर आप किसकी सच्चाई को छुपाने का प्रयास कर रहे हो उन्होंने कहा कि आप वसुंधरा राजे की भी जांच करवाओ डोटासरा ने कहा कि पेपर लीक राजस्थान में ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी सालों से होते रहे हैं प्रदेश में वर्तमान सरकार में भी अभी हाल ही में नवलगढ़ में राजस्थान प्रशासनिक सेवा का पेपर खुला मिला राजस्थान यूनिवर्सिटी में पेपर लीक हुए नीट के पेपर लीक हुए डोटासरा ने कहा कि रोज-रोज एक ही विषय पर ढिंढोरा पीटना और फिर उस पर कुछ भी कार्रवाई नहीं करना सरकार के लिए ठीक नहीं है उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों और जनहित से जुड़े विषयों पर सरकार को फोकस रखना चाहिए प्रदेश में पिछले 2 साल में स्कूल भवन की दुर्दशा को सुधारने की दिशा में कार्य करना चाहिए स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए ।

विशेष आलेख

विश्व कैंसर दिवसः जागरूकता से ही संभव है बचाव

हर वर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य केवल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की जानकारी देना नहीं, बल्कि समाज में यह विश्वास पैदा करना है कि समय पर जाँच, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच से कैंसर को रोका और हराया जा सकता है। आज कैंसर को 'लाइलाज' मानने की धारणा बदल रही है, क्योंकि शुरुआती अवस्था में पहचान होने पर इसका सफल उपचार संभव है। भारत में कैंसर के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। महिलाओं में विशेष रूप से स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर और ओवरी कैंसर प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं। महिलाएँ परिवार और समाज की धुरी होती हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश वे अपने स्वास्थ्य को अक्सर प्राथमिकता नहीं देतीं। घरेलू और सामाजिक जिम्मेदारियों के कारण नियमित जाँच को टाल दिया जाता है, जिससे बीमारी देर से सामने आती है। यही कारण है कि कैंसर के विरुद्ध जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है।

लेखक : Dr Richa Gupta
Sr obs & Gynae Consultant
City Hospital

कैंसर क्या है और इसके बढ़ने के कारण

कैंसर शरीर की कोशिकाओं की असामान्य और अनियंत्रित वृद्धि है, जो धीरे-धीरे शरीर के अन्य अंगों में फैल सकती है। बदलती जीवनशैली, असंतुलित खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू व शराब का सेवन, प्रदूषण और बढ़ता मानसिक तनाव इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं। महिलाओं में हार्मोनल परिवर्तन, मोटापा और देर से मातृत्व भी कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम बढ़ाते हैं।

महिलाओं में प्रमुख कैंसर

स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, जिसके शुरुआती लक्षणों में स्तन में गांठ, आकार में बदलाव और निप्पल से असामान्य स्राव शामिल हैं। सर्वाइकल कैंसर एचपीवी संक्रमण से जुड़ा होता है, जिसे नियमित पैप स्मीयर जाँच और एचपीवी वैक्सीन से काफी हद तक रोका जा सकता है। ओवरी कैंसर के लक्षण प्रायः देर से सामने आते हैं, जैसे पेट में सूजन, अपच और जल्दी थकान। इसके अलावा शहरी महिलाओं में कोलन और फेफड़ों के कैंसर का खतरा भी बढ़ रहा है।

रोकथाम और समय पर जाँच

कैंसर से बचाव के लिए रोकथाम और अर्ली डिटेक्शन सबसे प्रभावी उपाय हैं। 30 वर्ष की आयु के बाद महिलाओं को नियमित स्तन परीक्षण और पैप स्मीयर कराना चाहिए। परिवार में कैंसर का इतिहास होने पर विशेष सतर्कता आवश्यक है। एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करती है, वहीं स्वयं स्तन परीक्षण की आदत भी बेहद उपयोगी है।

स्वस्थ जीवनशैली से मिलेगी सुरक्षा

संतुलित आहार, ताजे फल-सब्जियाँ, नियमित व्यायाम, योग, तंबाकू और शराब से दूरी, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक हैं। शरीर में किसी भी असामान्य परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

निष्कर्ष

विश्व कैंसर दिवस हमें यह संदेश देता है कि जागरूकता ही सुरक्षा है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और समाज की नींव होती है। कैंसर से लड़ाई अकेले की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। सही समय पर जाँच, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच से इस बीमारी पर विजय संभव है।

'जानकारी ही शक्ति है – और शक्ति से ही जीवन सुरक्षित है।'

समानता की अनदेखी करने वाले नियम

कानूनी दृष्टिकोण से अनुच्छेद-14 के हिसाब से देखें तो यूजीसी के नए नियम समानता के अधिकारों की अनदेखी करते हैं, जबकि अनुच्छेद-15(1) जाति के आधार पर भेदभाव को रोकने का प्रविधान करता है। अदालतों ने कई बार माना है कि गरिमा, निष्पक्षता और उचित प्रक्रियाओं तक पहुंच जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। यदि किसी शिक्षक या छात्र को जाति आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है और वह अनुसूचित जाति या जनजाति या फिर ओबीसी में नहीं आता, तो उसके पास बचाव का कोई कानून न होना प्रक्रियात्मक अन्याय है। बड़ी बात यह है कि यूजीसी गाइडलाइन की धाराएं आपस में ही मेल नहीं खातीं। नियम-2 वंचित समूहों के खिलाफ भेदभाव मिटाने की बात करता है, दूसरी ओर नियम-3(सी) न्याय के अधिकार को केवल कुछ जातियों तक सीमित कर देता है।
पिछले वर्ष फरवरी में यूजीसी ने नियमों का मसौदा संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था। मसौदा नियमों में यह भी प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाए और इसके लिए जुर्माने का प्रविधान रखा गया था, लेकिन अंतिम अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रविधान हटा दिया। वास्तव में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से

पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 नाम से एक नोटिफिकेशन जारी किया। इन नियमों का मकसद शैक्षणिक संस्थानों से धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान, नस्ल या दिव्यांगता के आधार पर भेदभाव को खत्म करना था, लेकिन इन नियमों ने व्यापक विवाद को जन्म दिया। सामान्य वर्ग के छात्र इस आशंका से घिर गए कि इन नियमों में उन्हें पहले से ही अपराधी मान लिया गया है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

इन नियमों में शिकायत की सत्यता जांचने या झूठी शिकायतों को छांटने का कोई ठोस प्रविधान नहीं दिखता। हर आरोप पर तुरंत समिति बैठाकर तेज कार्यवाही तो तय है, लेकिन साक्ष्य की परख, गवाहों की सुनवाई, गोपनीयता और अपील जैसी प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। आरोप लगते ही कार्रवाई होने की जल्दी में सही जांच कैसे होगी? यह बड़ा सवाल है। सवाल यह भी है कि यूजीसी की नई गाइडलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों और संवैधानिक निष्पक्षता के बीच कैसे सामंजस्य स्थापित कर पाएगी? वास्तव में न्याय न सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते दिखना भी चाहिए, अन्यथा भरोसा टूट जाता है।

कानूनी दृष्टिकोण से अनुच्छेद-14 के हिसाब से देखें तो यूजीसी के नए नियम समानता के अधिकारों की अनदेखी करते हैं, जबकि अनुच्छेद-15(1) जाति के आधार पर भेदभाव को रोकने का प्रविधान करता है। अदालतों ने कई बार माना है कि गरिमा, निष्पक्षता और उचित प्रक्रियाओं तक पहुंच जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। यदि किसी शिक्षक या छात्र को जाति आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है और वह अनुसूचित जाति या जनजाति या फिर ओबीसी में नहीं आता, तो उसके पास बचाव का कोई कानून न होना प्रक्रियात्मक अन्याय है। बड़ी बात यह है कि यूजीसी गाइडलाइन की धाराएं आपस में ही मेल नहीं खातीं। नियम-2 वंचित समूहों के खिलाफ भेदभाव मिटाने की बात करता है, दूसरी ओर नियम-3(सी) न्याय के अधिकार को केवल कुछ जातियों तक सीमित कर देता है।

पिछले वर्ष फरवरी में यूजीसी ने नियमों का मसौदा संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था। मसौदा नियमों में यह भी प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाए और इसके लिए जुर्माने का प्रविधान रखा गया था, लेकिन अंतिम अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रविधान हटा दिया। वास्तव में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से निपटने वाले प्रविधानों को हटाना इस गाइडलाइन के लिए ढांचागत कमजोरी के रूप में सामने आया।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार उच्च शिक्षा में 60 प्रतिशत विद्यार्थी आरक्षित वर्ग से थे। ऐसे में यह भी बड़ा सवाल है कि इन 60 प्रतिशत विद्यार्थियों में ही कोई किसी का जाति आधारित भेदभाव करता है तो क्या होगा? इस पर ये नियम चुप हैं। जिस प्रकार अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 और दहेज उत्पीड़न विरोधी धारा-498 ए के तहत कई बार ऐसे उदाहरण मिले हैं जहां झूठे या गलत मामले दर्ज कराए गए और निर्दोष फंसे, वैसा ही खतरा यूजीसी के समता नियमों में भी दिख रहा था। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इनके दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए गिरफ्तारी से पहले प्राथमिक जांच सुझाए थे।

दुनिया भर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय और शिक्षण प्रणालियां भी विविधता और समानता के सिद्धांत अपनाती हैं। अमेरिका के प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास एक स्वतंत्र इकाई होती है, जो भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करती है। इस जांच प्रक्रिया में शिकायतकर्ता और आरोपी, दोनों के अधिकारों का ध्यान रखा जाता है। जांच प्रोटोकाल में साक्ष्यों के मानक, अपील का अवसर, गोपनीयता आदि को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाता है, ताकि न्याय हो भी और होता हुआ दिखे भी।

अक्सर वहां बाहरी या तटस्थ जांचकर्ता नियुक्त किया जाता है, रिपोर्ट लिखित रूप में तैयार होती है और दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका मिलता है। इसी तरह ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि की उच्च शिक्षण संस्थानों में भी एंटी-डिस्क्रिमिनेशन नीतियां सबके लिए समान होती हैं। कोई भी छात्र यदि उत्पीड़न झेलता है, चाहे वह अल्पसंख्यक समूह का हो या बहुसंख्यक का, उसके लिए शिकायत दर्ज करने और न्याय पाने का प्रविधान होता है।

हार्वर्ड, आक्सफोर्ड आदि ने नियमित सेंसिटाइजेशन वर्कशाप, मेंटारिंग प्रोग्राम और डायवर्सिटी कोर्स-वर्क शुरू किए हैं, ताकि छात्र-छात्राओं में पारस्परिक सम्मान एवं संवेदनशीलता विकसित हो। समता का वास्तविक अर्थ है सभी के साथ न्याय। एक कमजोर को ताकत देकर दूसरे को कमजोर करना समाधान नहीं। सभी को

सम्पादकीय

बजट में दिख रहा विकसित भारत का रोडमैप और आर्थिक संतुलन का समायोजन

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिस तरह की वैश्विक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, नए समीकरण तैयार हो रहे हैं, उसमें सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा बजट पेश करना एक चुनौती भरा काम है, जो संतुलित हो और जिसमें लोकलुभावन प्रस्तावों से बचने की कोशिश की जाए। सरकार का मानना है कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है और 2026-27 का आम बजट भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया। किसी भी बजट की उपादेयता इससे साबित होती है कि वह देश की आर्थिक मजबूती में कितना सहायक साबित हुआ और उसका आम जनता के जीवन पर क्या असर पड़ा। इस लिहाज से देखें तो रविवार को पेश बजट को व्यापार और पूंजी के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के साथ-साथ भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए अधिक निर्यात और स्थिर दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करने वाला कहा जा सकता है। यों इस बजट को गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के संदर्भ में उम्मीद जगाने वाले प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है, मगर कोई लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। युवा वर्ग के सशक्तीकरण के मकसद से शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पचास नए आइआइटी और मेडिकल कालेज खोले जाने की बात कही गई है। साथ ही कौशल के विकास के उद्देश्य से 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए दो लाख करोड़ रुपए और प्रशिक्षु योजना से पांच करोड़ युवाओं को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई के क्षेत्र में मदद के साथ ही रोजगार केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाएगी। दरअसल, देश में आज भी विकास के सारे सवाल बढ़ती बेरोजगारी के सामने चुनौती की तरह लगने लगते हैं। इसके मद्देनजर बजट में बेरोजगारी दर को आठ फीसद से नीचे लाने का संकल्प जाहिर किया गया है। मगर सारे निवेश और कार्यक्रम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि शहरों-महानगरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी रोजगार के कितने अवसर सृजित हुए और उसमें हिस्सेदारी करने के लिए कौशल की कसौटी पर कितनी प्रशिक्षित युवा आबादी तैयार हुई। इसी तरह, लक्ष्मी वंदना योजना को विस्तार दिया गया है और स्वरोजगार ऋण के नियम शिथिल किए गए, ताकि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस नतीजे हासिल किए जा सकें। मगर यह देखने की बात होगी कि इससे जमीनी स्तर पर लैंगिक समानता की स्थितियों को सशक्त बनाने में कितनी मदद मिलेगी। पांच 'विश्वविद्यालय शहर' के निर्माण, डिजिटल नालेज ग्रिड की स्थापना और देश के प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास खोलना युवा सशक्तीकरण की राह को मजबूती दे सकती है। अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से विनिर्माण, पर्यटन, दुर्लभ खनिजों के खनन और नई बुनियादी ढांचा परियोजना को बढ़ावा देने का प्रस्ताव किया गया है। बदलते दौर में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में मजबूती के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की स्थापना डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने में मददगार होगी, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि गरीब और अमीर आबादी के बीच डिजिटल विभाजन को पाटा जा सके,

सुनिश्चित हो रक्षा व्यय की गुणवत्ता

इस दिशा में यह एक अच्छा संकेत है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय यानी नई तकनीकों एवं आधुनिकीकरण पर होने वाले खर्च की हिस्सेदारी बढ़ी है। वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच रक्षा पूंजीगत व्यय लगभग 9.1 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है, जो पिछले दशक की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है। इस क्रम में वेतन, पेंशन और रखरखाव वाले राजस्व व्यय का हिस्सा घटा है। स्पष्ट है कि पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी जैसा सुनियोजित कदम भविष्य की सैन्य क्षमताओं को आकार देने में महती भूमिका निभाएगा। इस प्रकार का परिवर्तन रणनीतिक रूप से आवश्यक हो गया है। यदि भारत को पारंपरिक सामरिक क्षमताओं को बढ़ाना है तो उन्नत विमानों, पनडुब्बियों, ड्रोन और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध क्षमताओं में निवेश करना ही होगा।
यह अच्छी बात है कि पूंजीगत

आम बजट में रक्षा व्यय में बढ़ोतरी वैश्विक एवं क्षेत्रीय रणनीतिक उथल-पुथल के बीच निरंतरता का ही एक संकेत है। बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष के 6.81 लाख करोड़ से अधिक है। इसमें से 2.19 लाख करोड़ सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए हैं। इसमें 63,733 करोड़ विमान और एयरो-इंजन के लिए और 25,023 करोड़ नौसेना के लिए निर्धारित किए गए हैं। शेष 5.54 लाख करोड़ राजस्व व्यय के लिए हैं। इसमें पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान है।

स्पष्ट है कि सरकार ने रक्षा आत्मनिर्भरता के अपने दीर्घकालिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। नागरिक, प्रशिक्षण तथा अन्य विमानों के निर्माण के लिए आवश्यक घटकों और कलपुर्जों को मूल सीमा शुल्क से छूट देने तथा विमान रखरखाव, मरम्मत एवं कायाकल्प में उपयोग होने वाले कच्चे माल पर शुल्क माफ करने का निर्णय इसका संकेत है कि राजकोषीय नीति को औद्योगिक रणनीति के साथ समन्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। ये उपाय घरेलू एयरोस्पेस निर्माण को मजबूत करने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए हैं। विशेष रूप से रक्षा आपूर्ति श्रृंखला की प्रीमियम श्रेणी में यह बात और सटीक बैठती है।

भारत का रक्षा बजट निरंतर बढ़ने पर है, जो देश के जटिल सुरक्षा परिदृश्य के संज्ञान से प्रेरित है। ऐसा परिदृश्य जो उत्तर-पश्चिमी सीमाओं पर तनाव से लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है। इसलिए पुराने सैन्य उपकरणों का आधुनिकीकरण अब विकल्प नहीं अनिवार्यता बन गया है। हमें बढ़ते आवंटन को नई तकनीकों की बढ़ती लागत जैसे तकनीकी पेच में नहीं फंसाना चाहिए। हमें बस यह सुनिश्चित करने पर ध्यान देना है जो आवंटन किया गया है वह प्रभावी

ढंग से खर्च भी किया जाए। इसमें व्यय की गुणवत्ता निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

इस दिशा में यह एक अच्छा संकेत है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय यानी नई तकनीकों एवं आधुनिकीकरण पर होने वाले खर्च की हिस्सेदारी बढ़ी है। वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच रक्षा पूंजीगत व्यय लगभग 9.1 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है, जो पिछले दशक की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है। इस क्रम में वेतन, पेंशन और रखरखाव वाले राजस्व व्यय का हिस्सा घटा है। स्पष्ट है कि पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी जैसा सुनियोजित कदम भविष्य की सैन्य क्षमताओं को आकार देने में महती भूमिका निभाएगा। इस प्रकार का परिवर्तन रणनीतिक रूप से आवश्यक हो गया है। यदि भारत को पारंपरिक सामरिक क्षमताओं को बढ़ाना है तो उन्नत विमानों, पनडुब्बियों, ड्रोन और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध क्षमताओं में निवेश करना ही होगा।

यह अच्छी बात है कि पूंजीगत व्यय बढ़ा है, लेकिन यह अभी भी अपेक्षित रूप से कम है। याद रखना होगा कि वित्तीय बाधाएं, प्रतिस्पर्धी विकास प्राथमिकताएं और राजस्व व्यय का संरचनात्मक बोझ सैन्य आधुनिकीकरण की गति को सीमित करते हैं। इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि तकनीक की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। इसलिए हमें अपने प्रयास तेज करने होंगे। खास तौर से चीन जैसे देश को देखते हुए, जो अगली पीढ़ी के प्लेटफार्मों, साइबर क्षमताओं, अंतरिक्ष परिसंपत्तियों और एआइ सक्षम प्रणालियों में भारत की तुलना में भारी-भरकम खर्च कर रहा है। समय के साथ भारतीय सामरिक नीति-नियंताओं ने भी साइबर, इलेक्ट्रानिक युद्ध,

सतही आरोपों की राजनीति

गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका वह उल्लेख कैसे कर सकते हैं? गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए उन पर गलतबयानी का आरोप लगाया, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। इसके बाद सदन में हंगामा हुआ और वह चल नहीं सका। इस पर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उनके नेता को सदन में बोलने से रोका गया।

हंगामे के पहले राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, उससे इतना तो स्पष्ट ही है कि वे यही सिद्ध करना चाहते थे कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया। राहुल गांधी कितनी तैयारी से आए थे, इसका पता इससे चलता है कि वे संदर्भ तो गलवन का देना चाहते थे, लेकिन उन्होंने उल्लेख डोकलाम का किया। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। इसे पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे भी एक नहीं कई बार सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं। जहां तक उनकी पुस्तक की बात है, तथ्य यही है कि अभी रक्षा मंत्रालय ने उसके प्रकाशन की अनुमति नहीं दी है। यह भी एक तथ्य है कि जिस पत्रिका ने इस पुस्तक के कथित अंश छापे हैं और उनकी अपने हिसाब से व्याख्या की है, वह आधे-अधूरे तथ्यों के साथ सनसनी फैलाने के लिए जानी जाती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम

दो कांस्टेबलों के भरोसे चल रही मैड पुलिस चौकी

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। पुलिस थाने के अंतर्गत मैड कस्बे में स्थापित पुलिस चौकी इन दिनों बदहाल स्थिति में है। हालात ऐसे हैं कि यह चौकी महज कागज़ों तक सीमित होकर रह गई है। चौकी का संचालन केवल दो कांस्टेबलों के भरोसे किया जा रहा है, जबकि इसके अंतर्गत लगभग दो दर्जन गांव और ढाणियां आती हैं।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि दिन हो या रात, यदि कोई फरियादी पुलिस चौकी पहुंचता है तो अधिकांश समय वहां कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं मिलता। कई बार ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल भी किसी राजकीय या निजी कार्य से बाहर होते हैं, जिससे फरियादी बिना शिकायत दर्ज कराए वापस लौटने को मजबूर हो जाता है।कस्बे में घटित होने वाली किसी भी आपराधिक घटना की सूचना पर पुलिस को विराटनगर थाने से बुलाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में समय लगने के कारण आरोपी मौके से फरार हो जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस व्यवस्था नाम मात्र की होने के कारण क्षेत्र में आए दिन छोटी-बड़ी आपराधिक घटनाएं होती रहती हैं।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह राठौड़ अक्सर चौकी से नदारद रहते हैं और अधिकतर समय विराटनगर पुलिस थाने में ही देखे जाते हैं। जिम्मेदार अधिकारी की अनुपस्थिति के चलते पीड़ितों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि कस्बे की बढ़ती जनसंख्या और क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस चौकी में पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति आवश्यक है, ताकि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रह सके। जानकारी के अनुसार मेड पुलिस चौकी में 1 एएसआई,1 एस आई,1 हेड कांस्टेबल व चार पुलिसकर्मियों के पद स्वीकृत है। जिनमें से केवल दो लोगों को विराटनगर थाने से वहां लगाया गया है।अब देखना यह होगा कि इस गंभीर स्थिति को लेकर उच्च अधिकारी संज्ञान लेते हैं या फिर मामला यूं ही लंबित रह जाता है। इस संबंध में विराटनगर वृत्ताधिकारी उमेश निठारवाल ने बताया कि थाने के कुछ कर्मचारियों का प्रमोशन होने के कारण वे प्रशिक्षण पर गए हुए हैं। चौकी में स्वीकृत पदों के अनुसार सब इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह राठौड़ को फिलहाल कार्य व्यवस्थाओं के लिए लगाया गया है।

खखड़की रोड पर अनियंत्रित डंपर पलटा, बड़ा हादसा टला

जयपुर टाइम्स

नावां शहर(निस)। नावा उपखंड मुख्यालय के समीप खखड़की रोड पर मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया, जब एक डंपर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। गनीमत यह रही कि दुर्घटना में चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि हादसे के बाद कुछ समय के लिए खखड़की मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। डंपर के पलटने ही सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख स्थानीय ग्रामीण तुरंत सक्रिय हुए और बिना देर किए राहत कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने मिलकर क्रेन और जेसीबी मशीन की व्यवस्था करवाई, जिसके बाद सांभर झील के किनारे सड़क के पास पलटे डंपर को मुख्य मार्ग से हटाया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात को फिर से सुचारू किया जा सका। ग्रामीणों के अनुसार, नावा से खखड़की जाने वाला यह मार्ग पिछले काफी समय से बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उखड़ी हुई सतह के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी कारण इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण और मरम्मत को लेकर वे कई बार प्रशासन को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खखड़की मार्ग की जल्द से जल्द मरम्मत करवाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके और लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

साधन संपन्न परिवारों के नाम से पट्टे जारी !

जयपुर टाइम्स

पिण्डवाडा (निस)। ग्राम पंचायत काछोली में साधन सम्पन्न परिवारों को ग्राम पंचायत ने नियमों के विरूद्ध पट्टे जारी कर दिए, लेकिन आदेश के बाद भी जांच नहीं हुई। अब पट्टो की भूमि छोड़कर ग्राम पंचायत की भूमि पर पक्के मकानों का निर्माण कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत काछोली में पुरण देवी पत्नि चंदन पुरोहित, आरती पत्नि राहुल पुरोहित, हिम्मताराम पुत्र विजयराम पुरोहित व हीना पत्नि रोहित पुरोहित के नाम पर पंचातीराज नियम 1996 के नियम 157(2) (50) वर्ष पुराने आवास को लेकर पट्टे जारी किए गए, लेकिन जांच अधिकारियों व ग्रामीणों की माने तो न तो इन लोगों का यहां पुराने आवास थे और न कब्जा रहा। जबकि यह उन नियम मुख्य रूप से उन कब्जों पर लागू होता है जहां व्यक्ति के पास कोई अन्य भूखण्ड या मकान नहीं है और उन्होंने 2003 तक झोपडी या कच्चा मकान बनाया हो। ऐसे मामलो में ग्राम पंचायत 300 वर्गगज तक भूखण्ड रियायती दर पर नियमित किया जा सकता है। जबकि खाखरवाडा में सभी पट्टेधारी साधन सम्पन्न है जहां गांव के अलावा प्रदेश के बाहर भी आवासीय व कृषि भूमि इन्द्राज है। पट्टेधारियों ने झुठे शपथ पत्रों व ग्राम पंचायत की मिलीभगत कर न केवल फर्जी पट्टे जारी करवाए बल्कि ग्राम पंचायत व नाले की भूमि पर अतिक्रमण कर करोडो रूपये का राजस्व नुकसान पहुंचाया। इन पट्टो की शुद्धता की जांच को लेकर तत्कालीन विकास अधिकारी ने 1 दिसम्बर 023 को आदेश दिए थे, लेकिन ग्राम पंचायत ने न तो अभी तक पट्टो की शुद्धता की जांच की और न ही ग्राम पंचायत व नाले की भूमि से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उसको लेकर उच्च अधिकारियों को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा।

वरली पंचायत की फाईलो में कारीगर व श्रमिक बताए, इस नाम के युवक गांव में रहते ही नहीं!

जयपुर टाइम्स

पिण्डवाडा(निस)। ग्राम पंचायत वरली में पांच वर्षो से ऐसे कारीगरों व श्रमिको के नाम से भुगतान उठाया जा रहा है, इस नाम के लोग इस गांव में रहते ही नहीं है। फिर भी फर्जी कारीगरों व श्रमिकों के नाम लाखों रूपये का भुगतान भ्रष्टाचार किया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत वरली आदिवासी अर्थात गरासिया समाज की सौ प्रतिशत आबादी वाला है, लेकिन सामीरा से सांकला दियाला सीसी रोड पर लेखराज रावल को 16 हजार 9 सौ रूपये, मोवा घर के पास नाला निर्माण पर चेलाराम मीणा को 46 हजार 8 रूपये, ओडू निर्माण पर कालूराम रेबारी (कारीगर) को 16 हजार 9 सौ रूपये, नाला निर्माण ढांगा पर गणेशराम रेबारी, अरविन्द सिंह, दानाराम, अमृतलाल रावल, वसन्ती देवी, लेखराज रावल, सरीफ खां व पिंकी कुमारी 17 हजार 5 सौ 50 रूपये, ढांगा की सीसी रोड पर लाडाराम रेबारी को 16 हजार 9 सौ, जितेन्द्र कुमार को 16 हजार 9 सौ रूपये, शांति देवी को 6 सौ 5 सौ 12, इन्द्रा देवी 6 हजार 5 सौ 12 रूपये, ढांगा सीसी रोड अरविन्द सिंह 8 हजार 4 सौ 50 रूपये इन लोगों के नाम ढांगा में वासियों की फली में सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य, चमना अबा के घर से पिजरामजी के घर तक सीसी रोड ढांगा, तोडिया फली वागदरी में नाला निर्माण सीसी रोड, वागदरी में नाला निर्माण कार्य सीसी रोड, तोडियाफली में नाला निर्माण सीसी रोड, कला भावा के घर से जोगा वासियों के घर तक सीसी रोड वागदरी सहित अन्य कार्यो पर इन श्रमिको के नाम पर लाखों रूपये उठाये गये है। जबकि यह लोग ना तो कारीगर है और नहीं श्रमिक। विकास अधिकारी को ऐसे लोगों को तलब कर जांच करनी चाहिए। ताकि भ्रष्टाचार और उजागर हो सके।

प्रदेश की सभी राशन दुकानों पर पोस मशीन से लिंक तौलन यंत्रों का अभियान चलाकर होगा सत्यापन

एनएफएसए लाभार्थियों को मिले उनके हक का पूरा गेहूं: गोदारा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने विधिक माफविज्ञान अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के लगभग 4.40 करोड़ खाद्य सुरक्षा लाभार्थियों को मिलने वाले राशन का पूरा तौल सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। श्री गोदारा ने कहा कि प्रदेश में सभी एनएफएसए लाभार्थियों को उचित तौल के साथ राशन उपलब्ध कराना विभाग का कर्तव्य है ताकि लाभार्थियों के हक में किसी प्रकार की सेंधमारी ना हो। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी उचित मूल्य दुकानों के तौलन यंत्रों की सत्यापन कार्यवाही 4 फरवरी 2026 से प्रारम्भ की जायेगी। अभियान के तहत राज्य में संचालित उचित मूल्य दुकानों पर राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध करवाई गयी पोस मशीन से लिंक तौलन यंत्रों का विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 व इसके अंतर्गत बनाए गए विधिक माफविज्ञान (सामान्य) नियम 2011 के नियम 27 (2 सी) के तहत सत्यापन किया जाएगा। इस क्रम में आगामी एक माह में जिला रसद अधिकारी ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर सत्यापन कैम्प आयोजित करेंगे जहां विधिक माफविज्ञान अधिकारी उचित मूल्य दुकानों पर संस्थित तौलन यंत्रों का सत्यापन एवं मुद्रांकन करेंगे। तौलन यंत्र की आपूर्तिकर्ता फर्म की ओर से सत्यापन के लिए आवेदन व शुल्क संबंधित कार्यवाही की जाएगी।

अजब पालिका प्रशासन की गजब कहानी, शिकायत पर टूटी ईंटें, रसूख पर चुप्पी

बालाजी बायपास नाले पर छोटे अतिक्रमण हटे, बड़े आज भी सुरक्षित

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। बालाजी बायपास रोड स्थित नाले पर खुलेआम हो रहे अतिक्रमण नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। बरसात के मौसम में नाला जाम होने से सड़कों पर गंदा पानी भर जाता है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद पालिका प्रशासन लंबे समय से आंख मूंदे बैठा है। मंगलवार को नाले को पूरी तरह बंद कर एक व्यक्ति द्वारा निर्माण कर अतिक्रमण किया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने मजबूर होकर नगर पालिका कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, तब जाकर प्रशासन हरकत में आया और आनन-फानन में निर्माण को ध्वस्त किया गया। सवाल यह उठ रहा है कि यदि शिकायत नहीं होती तो क्या यह अतिक्रमण भी स्थायी रूप ले लेता? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नाले पर पहले से मौजूद बड़े, पक्के और वर्षों पुराने अतिक्रमणों पर पालिका आज तक खामोश है। कार्रवाई केवल कमजोर और छोटे अतिक्रमणकारियों तक सीमित दिखाई दे रही है, जबकि प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमणों को नजरअंदाज किया जा रहा है। इसे लेकर चयनात्मक कार्रवाई और संरक्षण के आरोप भी लग रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में नाला जाम होता है, सड़कों पर गंदा पानी बहता है और जनजीवन प्रभावित होता है, लेकिन पालिका हर बार खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देती है। यदि पूरे नाले को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया, तो आने वाली बरसात में हालात और भी भयावह हो सकते हैं, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह नगर पालिका प्रशासन की होगी। अब सवाल यह नहीं है कि कार्रवाई हुई या नहीं, बल्कि यह है कि क्या नगर पालिका बिना भेदभाव सभी अतिक्रमणों पर सख्ती करेगी या फिर रसूखदारों के आगे भी यूं ही घुटने टेकती रहेगी।

क्षारसूत्र शिविर: ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए विशेष राहत का केंद्र बना

जयपुर टाइम्स

दूदू(निस)। कस्बे में आयुर्वेद विभाग व राष्ट्रीय आयुष मिशन के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय निःशुल्क क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए विशेष सेवा, समर्पण और सफलता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर में बड़ी संख्या में पाइल्स, भगंदर एवं फिस्टुला जैसे जटिल रोगों से पीड़ित लोगों ने आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार प्राप्त कर राहत महसूस की। शिविर में उपचार प्राप्त कर चुके रोगियों व उनके परिजनों ने उपमुख्यमंत्री व आयुष मंत्री प्रेमचंद बैरवा का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया। रोगियों ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से उन्हें न केवल आधुनिक सुविधाओं से युक्त आयुर्वेदिक उपचार मिला, बल्कि आत्मीयता और सेवा भाव के साथ देखभाल भी प्राप्त हुई। डॉ प्रहलाद मीणा शिविर प्रभारी व डॉ मनीष वर्मा ने बताया कि क्षारसूत्र विधि से उपचार सुरक्षित, प्रभावी है, यहां कैंप में निःशुल्क उपचार किया जा रहा है जिससे ग्रामीण व जरूरतमंद मरीजों को विशेष लाभ मिल रहा है। 112 मरीजों का सफलतापूर्वक क्षारसूत्र उपचार किया गया। वही अग्निकर्म से 110 रोगियों को कमर दर्द, घुटना दर्द, कंधा दर्द गर्दन दर्द, ऐडी दर्द, सायटिका दर्द से मुक्ति मिली। मर्म चिकित्सा से 65 रोगियों को सेवा दी गई।

स्कूल के बच्चों को डॉ विनोद कुमारी यादव व प्रेम देवी ने स्वर्ण प्राशन की ड्रॉप पिलाई। डॉ संतोष कुमारी ने स्वास्थ्य जागरूकता संदेश के साथ उन्हें आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।
शिविर स्थल पर रोगियों व मुस्लिम मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने रोगियों को फल वितरित किए एवं शिविर में चिकित्सकों को साफा पहनाकर सम्मानित किया। शिविर में सेवा देने वाले चिकित्सकों में डॉ अंकित व्यास, डॉ श्वेता जैन, डॉ मनीष वर्मा, डॉ लक्ष्मी सेनी एवं डॉ रोहतांश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वरिष्ठ कंपाउंडर बलिदानी, अशोक कुमार व पवन शर्मा ने तकनीकी व सहायक सेवाओं से शिविर को मजबूती प्रदान की। नर्सिंग स्टाफ भवरी देवी, पिंकी कुमारी एवं प्रेम देवी ने मरीजों की देखभाल में विशेष योगदान दिया।

शोक सभा में आई बहू की हादसे में मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

नहाते समय हादसा: गैस गीजर से 20 वर्षीय युवती की मौत

जयपुर टाइम्स

नावांशहर(निस)। डीडवाना-कुचामन जिले के उपखंड मुख्यालय नावां में मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। बाथरूम में नहाते समय गैस गीजर से निकली जहरीली गैस के कारण एक 20 वर्षीय युवती की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार, अजमेर निवासी रौनक चौहान अपने पति अंकित के रिश्तेदार के निधन पर शोक सभा में शामिल होने नावा आई हुई थी। दोपहर में वह नहाने के लिए बाथरूम में गई, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं निकली। परिजनों को चिंता हुई तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया, पर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब दरवाजा खोला गया तो रौनक बेहोशी की हालत में बाथरूम में गिरी पड़ी मिली। घबराए परिजन तुरंत उसे नावा के उप जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक रूप से आशंका जताई जा रही है कि बंद बाथरूम में गैस गीजर से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण दम घुटने से यह हादसा हुआ। रौनक की शादी 25 दिसंबर 2024 को अंकित से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उनके घर एक नन्ही बेटी का जन्म हुआ, जो अभी मात्र तीन माह की है। मासूम बच्ची के सिर से इतनी कम उम्र में मां का साया उठ जाना हर किसी की आंखें नम कर रहा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं रिश्तेदार और परिचित इस दुखद घटना पर स्तब्ध हैं। यह हादसा एक बार फिर घरों में लगे गैस गीजर की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बिना वेंटिलेशन वाले बाथरूम में गैस गीजर का उपयोग बेहद खतरनाक हो सकता है। थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। खबर लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ था, लेकिन घटना के बाद क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल बना हुआ है। एक हंसता-खेलता परिवार पल भर में बिखर गया – पीछे रह गईं यादें, आंसू और एक मासूम बच्ची का अधूरा बचपन।

21 कुंडात्मक शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती मेड की झाडोदिया की ढाणी स्थित माताजी मंदिर परिसर में मंगलवार से नौ दिवसीय 21 कुंडात्मक श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नानी बाई का मायरा कथा महोत्सव विधिवत शुभारंभ के साथ प्रारंभ हुआ। आयोजन के पहले दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 551 महिलाओं ने मंगल कलश धारण कर भाग लिया, जबकि 121 ध्वज भी यात्रा में सम्मिलित रहे।कलश यात्रा लक्ष्मीनाथ जी मंदिर से बैंड-बाजों व डीजे के साथ रवाना होकर गांव के मुख्य मार्गों से होती हुई महायज्ञ स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान ग्रामवासियों ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया।उपसरपंच भोलाराम मीणा ने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। महायज्ञ स्थल पर विद्वान पंडितों द्वारा कलशों की विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। इसके पश्चात यज्ञ मंडप में भाग ले रहे यजमान दंपतियों को कुंडों पर बैठाकर मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया गया।महायज्ञ के युगकर्ता महंत महावीर दास जी महाराज एवं यज्ञाचार्य विकास शास्त्री हैं। आयोजन के अंतर्गत नित्य हवन एवं पूजन प्रातः 8:15 से 11:15 बजे तथा सायं 3:15 से 6:15 बजे तक किया जाएगा। वहीं प्रतिदिन सुबह 11:00 से 3:00 बजे तक नानी बाई का मायरा कथा का आयोजन होगा तथा दोपहर में भंडारे की व्यवस्था भी रहेगी।
संतोष मोदी ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ का समापन 11 फरवरी को होगा। आयोजन में महंत ललित दास स्वामी, हीरालाल स्वामी, रामजीलाल मीणा, घनश्याम स्वामी, मुरारी स्वामी, रामकिशोर स्वामी सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित हैं।इसके अलावा मोहित प्रजापत, रमेश जाट (लाला), सोनू मीणा, कार्तिक मीणा, मनोज मीणा, अनिल मीणा, कुंदन मीणा, नरेश मीणा, आशीष मीणा, रोहित मीणा, महेंद्र मीणा, हेमराज मीणा, पंकज स्वामी, विष्णु स्वामी, पुष्पेंद्र मीणा सहित युवा समिति के सभी कार्यकर्ता सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।

प्रदेश में मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए सरकार प्रतिबद्धः जोरारामकुमावत देवस्थान मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार की ओर से चुनावी वर्ष में कई विकास कार्यों की केवल घोषणाएं की गई थीं, लेकिन विभागीय समीक्षा में इनमें से अनेक कार्य व्यावहारिक नहीं पाए गए, जिससे उन्हें क्रियान्वित करना संभव नहीं हो सका।
देवस्थान मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक चेतन पटेल कोलाना की ओर से पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि बजट वर्ष 2023-24 में ढीपरी चम्बल (खातौली)-कोटा स्थित ठाकुर जी गोपालजी महाराज मंदिर, पीपल्दा समेल (सुल्तानपुर)-कोटा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तथा ककरावदा (ईटावा)-कोटा स्थित प्राचीन श्री चमलेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार व विकास कार्यों की घोषणा की गई थी।
घोषणाओं की क्रियान्विति के तहत पर्यटन विकास कोष से ठाकुर जी गोपालजी महाराज मंदिर, ढीपरी (चम्बल)-कोटा के लिए 383.33 लाख रुपए तथा प्राचीन शिव मंदिर, पीपल्दा समेल (सुल्तानपुर) के लिए 248.14 लाख रुपए की स्वीकृति 13 जून 2023 को जारी की गई थी।

विराटनगर में एसडीएम का औचक निरीक्षण, ग्राम पंचायत भवन बंद मिलने पर नाराजगी

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। उपखंड अधिकारी विराटनगर कपिल कुमार ने मंगलवार को उपखंड क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत भवन कुहाड़ा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुहाड़ा, महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ा सहित जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय का निरीक्षण किया गया।दोपहर करीब 2:30 बजे ग्राम पंचायत भवन कुहाड़ा का निरीक्षण करने पर कार्यालय बंद मिला। साथ ही परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई तथा सड़क पर गंदा पानी जमा मिला। इस पर उपखंड अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए विकास अधिकारी पंचायत समिति विराटनगर को ग्राम पंचायत भवन बंद पाए जाने व साफ-सफाई में लापरवाही बरतने वाले संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी ने विद्यालय में विद्यार्थियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुहाड़ा के परिसर में भी साफ-सफाई का अभाव पाया गया, जिस पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विराटनगर को आवश्यक निर्देश दिए गए। उपखंड अधिकारी ने सभी विभागों को समय पर कार्यालय खुला रखने, स्वच्छता बनाए रखने व आमजन को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

नुक्कड़ नाटक बना जीवन रक्षक संदेश

गोल्डन आवर्स में घायल को अस्पताल पहुंचाया तो बची जान, सड़क सुरक्षा का दिया सशक्त संदेश

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कास)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रादेशिक परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग की ओर से शहर में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कला सागर सेवा संस्था के कलाकारों ने जयपुर के विभिन्न इलाकों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने यह प्रभावी संदेश दिया कि सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को यदि गोल्डन आवर्स में अस्पताल पहुंचा दिया जाए, तो उसकी जान बचाई जा सकती है। साथ ही दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को मिलने वाले गुड सेमेरिटन (अच्छे नागरिक) के अधिकारों और सम्मान से भी लोगों को अवगत कराया गया।

यातायात नियमों से चलोगे तो फायदे में रहोगे:
संस्था सचिव स्वराला किराड़ ने बताया कि यह नुक्कड़ नाटक लोहामंडी हरमाड़ा, एक नंबर रोड सीकर रोड, भवानी निकेतन कॉलेज, सीकर रोड हरमाड़ा सहित कई स्थानों पर प्रस्तुत किया गया, जहां सैकड़ों नागरिकों ने इसे देखा और यातायात नियमों की अहमियत को समझा।

नियम तोड़ोगे तो जान और धन दोनों का नुकसान:
कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। नियमों की अनदेखी करने से जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों से हेलमेट और चौपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।

कलाकारों के सशक्त अभिनय ने छोड़ी गहरी छाप:
नुक्कड़ नाटक में कलाकार नितेश वर्मा, स्वराला किराड़, ऋषभ गौतम, कृष्ण भार्गव, अनिल बैरवा और रोहन सिंह ने प्रभावशाली अभिनय किया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक करने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर संदेश भी दिया। सभी कलाकार रंगमंच के साथ-साथ राजस्थानी व हिंदी सिनेमा और टीवी सीरियल्स में भी कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में यह भाव जगाना रहा कि सड़क पर सतर्कता, नियमों का पालन और समय पर मदद–तीनों मिलकर कई अनमोल जिंदगियां बचा सकते हैं।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

माइनॉरिटीज कर्मचारियों के हित में सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राज्य अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसियेशन की स्थानीय इकाई के पदाधिकारियों व सदस्यों ने उपखंड अधिकारी के मार्फत मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में राज्य के अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशासनिक स्थानान्तरण के नाम पर दूरस्थ स्थानों पर स्थानान्तरित नहीं करने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि ऐसे स्थानान्तरणों में कई विधवा, परित्यक्ता, पति-पत्नी राज्य सेवा में आदि के स्थानान्तरण जान-बूझकर दूरस्थ किए जाते हैं, जिससे कार्मिक काफी आहत हैं। अत: इस समस्या का निदान किया जावे। ज्ञापन सौंपते वक्त सऊदी अब्बास, मास्टर दाऊद काजी, सैयद मोहम्मद अकरम, आरिफ, हसन, सलीम खान, हाकिम खान, अली हसन सैयद, सिकन्दर अली सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नव नियुक्त चिकित्सकों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। रतनगढ़ स्थित जिला अस्पताल सेठ सूरजमल जालान में नवनियुक्त चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. भानीराम सारण और पीएमओ सुरेंद्र कुमार का सनातन सेवा न्यास के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। इस अवसर पर पीएमओ सुरेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि रतनगढ़ जिला अस्पताल की लेबोरेटरी अब 24 घंटे संचालित रहेगी तथा अस्पताल में डिजिटल, आधुनिक व उन्नत मशीनों की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे मरीजों को बेहतर एवं त्वरित जांच सेवाएं मिल सकेंगी। कार्यक्रम में पंकज शर्मा, गोविंद खठौड़, उमाशंकर शर्मा, विकास महर्षि, महावीर शर्मा, ओमप्रकाश महर्षि, सुरेश धारु, सुनील पंवार, बजरंगलाल प्रजापत, गणेश जोशी, मामन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ियों का किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। भोजासर में आयोजित 54 वी फुटबॉल प्रतियोगिता में फाइनल मैच जीतकर नवयुवक मंडल लुमास ने विजेता ट्रॉफी महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय लुमाश को भेंट की। मंडावा भोजासर में चल रही 54 वी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच लुमाश ने खीदरसर को 1ड्ड0 से हराकर फाइनल मैच जीता। फाइनल मैच में उपस्थित अतिथियों ने लुमाश टीम को बधाई दी। उसके बाद नवयुवक मंडल लुमाश की ओर से भोजासर से लेकर लुमास गांव के आम चौक तक गाजे बाजे के साथ ट्रॉफी के साथ नाचते गाते आए। गांव के आम चौक पर नवयुवक मंडल के सभी सदस्यों को ग्रामीण महिला ओर पुरुषों की ओर से बधाई दी और मिठाई खिलाई गई। उसके बाद नवयुवक मंडल लुमाश के सदस्यों की ओर से ट्रॉफी को महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय के संस्था प्रधान कैलाश जांगिड़ को ट्रॉफी प्रदान की गई। संस्था प्रधान ने सभी को फाइनल मैच जीतने की शुभकामनाएं दी। इस शुभ अवसर पर संजय शर्मा,दिनेश गोदारा, अजीत सिंह, अरविंद शेखावत, सरवन साईं, सुनील शेखावत, रविन्द्र शेखावत, राहुल बुगालिया, अजय सिंह निर्बान, अरविंद शर्मा आदि का सहयोग रहा।

मैडल्स जीतकर आने वाले कार्मिकों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। हाल ही में उदयपुर में आयोजित आल इंडिया फायर नेशनल गेम्स 2026 में सुजानगढ़ नगर परिषद के दो फायरकर्मियों ने दो गोल्ड मेडल व एक कांस्य पदक जीता है। मिक्स डबल्स बैडमिंटन में सुजानगढ़ के फायरमैन प्रमोद बिश्नोई व देविका ने कांस्य पदक जीता। देविका चौधरी फायरमैन ने शॉट पुट इवेंट व 100 मीटर रनिंग इवेंट वर्ग में दो गोल्ड मेडल जीते। बता दें कि इन खिलाड़ियों के प्रयासों से नेशनल गेम्स में अभी तक राजस्थान को दो ही गोल्ड मिले हैं। नगर परिषद के सुनील विश्नोई, सुरेश कुमार मेघवाल ने भी नेशनल गेम्स में भाग लिया। कर्मचारियों की इस उपलब्धि पर नगर परिषद में स्वागत समारोह रखा। जिसमें कार्यवाहक आयुक्त चारवी, एईएन विक्रम जोरवाल, यूडीसी लोकेश जांगिड़ सहित कर्मचारियों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस दौरान लेखाधिकारी ओमप्रकाश खीचड़, एआरआई तिलोकचंद, यूडीसी धनराज सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्रों से निरंतर सीखने की मानसिकता अपनाने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि ने छात्रों से निरंतर सीखने की मानसिकता अपनाने का आव्हान किया है। भाजपा जिलाध्यक्ष मंगलवार को आदर्श विद्या मन्दिर उमावि, मण्डावा में आयोजित वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थी। हर्षिनी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान का उपयोग न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि राष्ट्र और समाज के कल्याण के लिए भी किया जाना चाहिए, और भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास इस यात्रा के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्टार्टअप संस्कृति, ग्रामीण उद्यमिता और सामाजिक उद्यम युवाओं के लिए अपार अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की भावना को अपनाकर भारत के सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहने के महत्व पर जोर दिया यानी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने कहा कि आप विभिन्न पृष्ठभूमियों से आते हैं - आप में से कई ने काम करते हुए, पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए या आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए शिक्षा प्राप्त की है। यह आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप इस दृढ़ संकल्प को जीवन भर बनाए रखें। सीखते रहें, प्रगति करते रहें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में मंडावा सीआई रामनारायण चोयल, नगरपालिका जेईएन आनन्द कुमार सोलंकी, सीबीईओ मंडावा पवन कुमार, साक्षरता अधिकारी मूल सिंह शेखावत, भोजासर सरपंच ओमप्रकाश, रेज़ोनेंस टीम झुंझुनूं के विनय चाहर, सेवानिवृत्त एएओ पीएचईडी मांगीलाल, सहायक लेखाधिकारी कुरड़ाराम तथा शीशराम जाखड़ मंचासीन अतिथि रहे। स्कूल निदेशक अभिषेक तेतरवाल, महेश चंद्र तेतरवाल, आदर्श तेतरवाल, अभिलाषा चौधरी, प्रधानाचार्य श्रवण कुमार व प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी, गोविंद सोनी ने अतिथियों का माल्यार्पण, साफा व गेस्ट ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मान किया। इस मौके पर विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, योग प्रदर्शन एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत एकलव्य एक्ट एवं अनाथाश्रम एक्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरु-भक्ति, त्याग, संवेदनशीलता व सामाजिक सरोकारों का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान गत वर्ष के टॉपर विद्यार्थियों, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं व कर्तव्यनिष्ठ स्टाफ सदस्यों को आकर्षक उपहार स्वरूप टेबलेट, स्मार्ट वॉच व नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे सभी में उत्साह व प्रेरणा का संचार हुआ। व्याख्याता गोविंद सोनी, प्रीति जोशी, जिया सैनी व सुनहरी कुमावत आदि ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारत में जन्म लेना हमारा सौभाग्य है: गायत्री पूनिया

सशक्त समाज से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण, मकर संक्रांति पर शाखा संगम में दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

सादुलपुर(निस)। शहर के वार्ड 14 स्थित महारानी लक्ष्मीबाई शाखा में मकर संक्रांति उत्सव व शाखा संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेविकाओं के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजन अनुशासन, संस्कृति और राष्ट्रभाव से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्र सेविका समिति की झुंझुनू विभाग बौद्धिक प्रमुख गायत्री पूनिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात सेविकाओं की ओर से शारीरिक, बौद्धिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का अनुशासित एवं सुसंगठित प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में गायत्री पूनिया ने कहा कि शाखा व्यक्ति निर्माण की मूल इकाई है। व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि एक आज्ञा पर कार्यक्रम करना अनुशासन का अभ्यास है और यही अनुशासन जीवन को सही दिशा देता है। उन्होंने कहा कि भारत में जन्म लेना हमारा सौभाग्य है। 'सब अपने हैं' का भाव शाखा के माध्यम से जीवन में उतरता है। जैसे पौधे को पानी देकर हम स्वयं पानी पीते हैं, वैसे ही समाज की चिंता करना अंततः अपने ही कल्याण से जुड़ा होता है। हम सभी परस्पर पूरक हैं और हमारे भीतर एकात्म भाव है। वसुधैव कुटुंबकम् की भावना ही पूरे विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम राष्ट्रभाव, सामाजिक समरसता और संस्कारों के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गौड़ भवन में प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गौड़ विप्र सेवा समिति की ओर से बिमला देवी पत्नी रामचंद्र सुरोलिया के सहयोग से दुलिया बास के गौड़ भवन में मानस व्याख्यान व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रणवाश्रम गनेड़ी के सन्त निवृतिनाथ महाराज के सान्निध्य में हुआ। शुभारम्भ भगवान परशुराम के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके बाद व्यासपीठ पर संत का स्वागत समाज के पं. बृजमोहन सुरोलिया ने किया। राम चरितमानस पर व्याख्यान करते हुए निवृत्तिनाथ महाराज ने कैकई प्रसंग, राम की मातृ पितृ भक्ति आदि के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन के हर चरण में हम मानस से शिक्षा ले सकते हैं। व्याख्यान के बाद आयोजित प्रतिभा सम्मान में बैंक अधिकारी सुधांशु भूषण, नथमल इंदोरिया, अशोक कुमार शर्मा व जितेंद्र सुरोलिया मंच पर मौजूद रहे। अलग अलग वर्गों में 50 से ज्यादा प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महंत स्वामी कानपुरी महाराज ने कहा कि शिक्षा हासिल करने के साथ ही संस्कारवान होना आवश्यक है। विप्र गौरव सम्मान में पं. बृजमोहन सुरोलिया, परमानन्द, कमल धरड़, पवन इंदोरिया, स्नेहप्रभा जय कुमार मिश्रा को सम्मानित किया गया। रामचरित मानस प्रतियोगिता परीक्षा में मुकुंद सुरोलिया, वन्दना सुरोलिया व काव्य चंदोलिया को सम्मान दिया गया। सचिव राकेश शर्मा ने संस्था के विकास कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि सुधांशु भूषण ने अपने उद्बोधन में मानस के नवाचार की सराहना की।

डाइट में डर्फ सलाहकार मंडल की सत्रांत बैठक आयोजित

चूरू(निस)। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान, डाइट में मंगलवार को डर्फ सलाहकार मंडल की सत्रांत बैठक उपनिदेशक डॉ. गोविंद सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीईओ प्रां. शिक्षा ओमप्रकाश प्रजापत ने की। इस अवसर पर उपनिदेशक राठौड़ ने शोध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा में शोध के माध्यम से नवाचार करें। उन्होंने कहा कि डाइट द्वारा किए गए शोध कार्यों से विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com

क्रमांक :– जसअ / 2025 / 471 दिनांक: 02.02.2026

निविदा सूचना संख्या 240–247/2025–26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB02660 से JMC2526WSOB02666, JMC2526WSOB02675 है।

अधिशाषी अभियंता
सांगानेर जोन
नगर निगम जयपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 19075

कार्यालय:- अधिशाषी अभियन्ता, दशम खण्ड, इ.गा.न.प. तारानगर (चूरू)

ई-मेल पता : xen10taranagar@gmail.com

ई-निविदा संख्या 07 वर्ष 2025-26

राजस्थान राज्यपाल महोदय, की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीयन नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पजीकृत एंव अनुभवी संवेदकों से ई - निविदा संख्या 07 वर्ष 2025-26 में वर्णित कार्यो हेतु ई- निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा डाउनलोड करने की तिथि / अपलोड करने की तिथि तथा निविदा की शर्तें, इत्यादि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http//sppp.rajasthan.nic.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 17.01.2026 प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 05.02.2026 प्रातः 11.00 बजे तक http//eproc.rajastan.gov.in से डाउनलोड / अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएँ दिनांक 05.02.2026 को सांय 4:00 बजे खोली जावेगी

NIB code- IGB2526A0124
UBN IS- IGB2526WSOB00553 UBN IS- IGB2526WSOB00554
UBN IS- IGB2526WSOB00555 UBN IS- IGB2526WSOB00556
UBN IS- IGB2526WSOB00557 UBN IS- IGB2526WSOB00558

(आनन्द सिंह शेखावत)
अधिशाषी अभियन्ता
दशम खण्ड, इ.गा.न.प.
तारानगर (चूरू)

DIPR/C/2048/2026

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)

Sr. No. : NPC/2025/3001 Date : 28.01.2026

Notice Inviting Bid

Bids for "Cleaning of public urinals located in the Municipal Council area." are invited interested bidders upto 06.00 on 30.01.2026 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The bid value are 09.95 Lacs.

NIB CODE : DLB2526B0935
UBN NO. : DLB2526SSOB32459

COMMISSIONER
MUNICIPAL COUNCIL CHOMU

Raj.Samwad/C/25/18944

District Project Management Unit, Churu (Name of Procuring Entity)

Notice Inviting Bid

Bids for Print of Flex/Standy/Hording/Facia/Cutout Name (s) of subject matter (s) of Procurement) are invited from interested bidder's upto 12.00 PM (time) 04-02-2026 (date). Other Particular of the bid may be visited on the Procurement portal (http:// sppp. raj.nic.in) ofthestate; andhttps:// rgavp. rajasthan.gov.in/websitemaster/Tenders Eoldepartment website.

NIB:-RGA2526A0299
UBN:-RGA2526GSOB00356 Rs. 7,00,000.00 lakh

(Designation of Bid Inviting officer)

DIPR/C/1922/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड तारानगर

क्रमांक : 1895-1904 दिनांक : 28/01/2026

निविदा सूचना संख्या : 36 / 2025-26 खण्ड तारानगर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला - चूरू में सर्वे, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षा दीवार कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के 'ए' एवं 'एए' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2526A5393 के UBN No. निम्न प्रकार है :-

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1.	PWD2526WSOB21932	2.	PWD2526WSOB21935

(विकास)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड तारानगर

DIPR/C/1917/2026

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT RAM-SINGHPURA P.S. PATAN (SIKAR)

S.NO. 16 DATE : 03/02/2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto Date 10.02.2026, 11:00 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in&http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of work is maximum RS:608979

UBN No.PKP2526WSOB00289

PRASHASHAK
G.P. RAMSINGHPURA

VDO
G.P. RAMSINGHPURA

कार्यालय नगर परिषद, चौमू-जयपुर (राज.)

क्रमांक: न.प.चौमू / 2026 / 2997 दिनांक: 28.01.2026

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

समस्त अधिकृत फर्मो / संवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा नगर परिषद के वाहनों के मरम्मत एंव रखरखाव का कार्य करने के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण sppp.raj.nic.in पोर्टल पर UBN No. DLB2526SSRC32457 पर देखा जा सकता है।

निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारम्भिक दिनांक एंव समय	दिनांक 29.01.2026 प्रातः 11:00 बजे से
निविदा प्रपत्र विक्रय की अन्तिम दिनांक एंव समय	दिनांक 06.02.2026 सांय 06.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की दिनांक एंव समय	दिनांक 09.02.2026 सांय 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 10.02.2026 प्रातः 10.00 बजे से

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि
01.	नगर परिषद चौमूँ ऑटो टिप्पर वाहनों के डाले की फर्श की मरम्मत एंव सम्पूर्ण सर्विस, ईंजन ऑयल, गियर ऑयल, हाईड्रोलिक ऑयल, डीजल फील्टर, एअर फिल्टर, कबानी–पत्ते, पिन–ब्रुश, ग्रीस, वांशिग, होर्न, फाटक रिपेयर, साईड कॉच, हाईड्रोलिक पम्प मरम्मत आदि कार्य।	09.50	500 / –	19000 / –

आयुक्त
नगर परिषद चौमूँ

राज.संवाद / सी / 25 / 18946

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सरदारशहर

e-mail: eeproj.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :-अअ / जनस्वा/ निविदा / 2025-26 / 2345 दिनांकः- 22.01.2026

ई - निविदा सूचना 49 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लू. एफ. एण्ड ए. आर. पार्ट -II अपेडिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय - समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (प्रकाशन दिनांक तक) के अनुरूप विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं संबंधित कार्यों में अनुभव रखने वाली फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फार्म ऑन लाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से कॉलम संख्या 06 में अंकित तिथि तक सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड / अपलोड किए जा सकते हैं। वैब साईट पर तकनीकी बिड कॉलम संख्या 07 में अंकित तिथि को इस कार्यालय में प्रातः 02.00 पी.एम. पर खोली जावेगी। यदि किसी कारणवंश उस दिन अवकाश रहता है, तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जावेगी।

निविदा शुल्क / धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से DDO Code 4836 XEN Project Div SARDARSHAHR Budget Head लोक निर्माण कार्य जमा 8443-00 108-00-00 एवं निविदा शुल्क (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head निविदा शुल्क प्राप्ती 0075-00-800-52-01) के अन्तर्गत जमा करवाया जावेगा, ई-टेण्डरिंग प्रकिया शुल्क रूपये 50.00 लाख तक 500 /- रू. 50.00 लाख से 100.00 तक 1500/- 100.00 लाख से 500.00 लाख तक रू. 2000/- तथा 500.00 लाख से अधिक रू.2500/- का का द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से जमा करवाकर भौतिक रूप कालम से. 07 मे अंकित दिनांक को प्रातः 11.00 बजे तक इस कार्यालय मे जमा करवाना आवश्यक है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (DSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वैब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाखों मे)	धरोहर राशि (राशि लाखों मे)	निविदा शुल्क (राशि रूपयो मे)	निविदा डाउनलोड/ अपलोड करने की तिथि	तकनीकी बिड खोलने की तिथि	कार्यपूर्ण करने की अवधि
18/ 25-26	Work of maintaining power factor and Hiring of power capacitor for various electric connections (Pump House Tube Well Open Wells etc under the jurisdiction of Div Sardarsahar. UBN is PHE2526WSRC11238 Date 22.01.2026	30.00	60000	500	09.02.2026	10.02.26	03 Year

नोट :- निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण एवं अन्य शर्ते निम्नलिखित वैब साईट पर देखी जा सकती है।
1- http://eproc.rajasthan.gov.in 2- sppp.rajasthan.gov.in 3- www.dipronline.org
निविदा में निर्धारित दिनांक तक नवीनतम पुर्नावलोकन रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है। शर्त सहित निविदा मान्य नहीं होगी, निविदा विक्रय / प्राप्ति / खोलने की तिथि को अवकाश होने पर अगला कार्य दिवस गाना जावेगा। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को किसी भी निविदा या सभी निविदाओं को बिना कारण बतायें निरस्त करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

प्रकृति का अनुपम उपहार
स्वच्छ जल का सबको उपहार

(रामदेव पारीक)
अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा.अभि.
विभाग, खण्ड सरदारशहर

DIPR/C/1617/2026

7

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
4 फरवरी, 2026

वर्षों पूर्व गिरवी रखे जेवरात वापस छुड़वाने आ रहे लोगों से व्यापारी परेशान

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। सोने-चांदी के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी से स्वर्णकार समाज के लोगों व व्यापारियों को वर्षों पूर्व गिरवी रखे जेवरात को वापस छुड़वाने आ रहे लोगों की वजह से परेशानियां पेश आ रही हैं। व्यापारियों के साथ लड़ाई- झगड़े व झूठे मुकदमे दर्ज करवाने की स्थितियां बन रही हैं। इस समस्या को लेकर स्वर्णकार समाज व अन्य व्यापारियों ने वाहन रैली निकाल कर उपखण्ड अधिकारी अजित सिंह राठौड़ व थानाधिकारी स्वागत पांडे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गिरवी वैधानिक नहीं हो कर व्यवहारिक है इससे लोगों की जरूरत की पूर्ति हो जाती हैं। गिरवी मात्र 3 वर्ष के लिए ही होती है जो कि नियमानुसार 11 महीने में अतिरिक्त शुल्क अदा करते हुए ग्राहकों को रहन रखे आभूषण की गिरवी का नवीनीकरण करना अनिवार्य होता है। यदि ग्राहक ऐसा नही करता है तो संविदा अधिनियम 1872 के अन्तर्गत अंतिम सूचना व्यापारी की ओर से ग्राहक को देने के पश्चात् रकम का निस्तारण कर दिया जाता है।

भजन संध्या की तैयारियों को लेकर बैठक

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। छोटा रुणिजा धाम जलेरी (नयानगर) में हिन्दू नववर्ष पर आयोजित होने वाली विशाल भजन संध्या की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिन्दू नववर्ष व भजन संध्या के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। गादीपति महंत हीरालाल ने बताया कि हर वर्ष हिन्दू नववर्ष चैत्र शुक्ल एकादशी पर बाबा रामदेव व चैतन्य कानिफनाथ की स्मृति में छोटा रुणिजा धाम मंदिर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाता है जिसमें राजस्थान सहित गुजरात, मध्य प्रदेश व हरियाणा क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। बैठक में संतों, भजन गायकों और श्रद्धालुओं के भोजन, आवास, भजन संध्या के आयोजन सम्बन्धी रूपरेखा तैयार की गई। महंत जोगी ने बताया कि भजन संध्या में मुख्य भजन गायक गोकुल शर्मा सहित अन्य गायक रहेंगे।

ब्राह्मण महासंगठन के नव नियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंगठन धौलपुर की ओर से पप्पू जाट होटल में नव नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरजा अशोक शर्मा भाजपा नेत्री उपस्थित रहीं। साथ ही प्रदेश स्तर से बृजमोहन शर्मा प्रदेश महासचिव अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंगठन राजस्थान की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व प्रदेश महासचिव ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को एकजुट कर एक जाजम पर लाने पर विचार- विमर्श करना रहा। अवसर पर प्रदेश महासचिव बृजमोहन शर्मा ने संगठन की नवीन जिला व संभागीय कार्यकारिणी की घोषणा की। नव नियुक्त पदाधिकारियों में लक्ष्मण शर्मा संभाग संगठन मंत्री, भरतपुर, भरत शर्मा जिला अध्यक्ष, धौलपुर, वंदना त्यागी जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ धौलपुर, जितेंद्र शर्मा जिला प्रभारी धौलपुर, शिवा शर्मा जिला महामंत्री, रामबरन शर्मा, खुडला जिला उपाध्यक्ष मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ-साथ अनेक नागरिक व संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की शुभकामनाएं दीं।

जिला महासचिव ने किया अमीन पठान की युवा टीम का स्वागत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। उपखंड राजाखेड़ा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष अमीन पठान के निर्देशानुसार प्रदेश खेल प्रकोष्ठ कांग्रेस उपाध्यक्ष व भरतपुर संभाग कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ प्रभारी मोहन प्रकाश त्यागी, जिला अध्यक्ष गुड्डू लोधा अपनी नवगठित युवा टीम के साथ,

जिला उपाध्यक्ष मोनू सिकरवार, जिला महासचिव कंबोड सिंह लोधा ने राजाखेड़ा दुलहारा ग्राम पंचायत में अपने निज निवास पर सभी युवा पदाधिकारियों की टीम का जोरदार बैंड बाजों के साथ स्वागत किया। स्वागत करने बालों में कम्बोड सिंह लोधा, राम खिलाड़ी लोधा, दशरथ सिंह लोधा, महाराज सिंह, लटूरी, हरि सिंह लोधा, मुरारी कुशवाह, गोपाल कुशवाह, छिद्दू ठाकुर, बनबारी जाटव, महावीर गोस्वामी, भग़वानदास राठौर, बद्री प्रसाद लोधा सभी ने फूल मालाओं और साफे के साथ स्वागत किया। मोहन प्रकाश त्यागी ने अपने भाषण में कहा कि सरकार की खेलों के प्रति रुचि नहीं दिख रही। हम अपने समय पर भर्ती निकालेंगे और विद्यालय में पंचायत स्तर पर, जिले स्तर पर और राज्य स्तर पर खेलों को बढ़ावा देंगे और खिलाड़ियों को सम्मानित भी करेंगे। स्वागत करने बालों में शिव सिंह लोधी, पप्पू लोधी, सुरेश लोधी, निरंजन लोधी, रामनाथ लोधी, सुरेश लोधी, रूबी लोधी, भरत लोधी, राकेश ठाकुर, कनु लोधी, जीतू तोमर, रिटायर्ड अध्यापक नारायण सिंह आदि कई सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, सहकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में 23 जनवरी को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर ग्राम उत्थान शिविरों का शुभारम्भ किया गया। ग्राम उत्थान शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभान्वित किया जा रहा है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 23 जनवरी से जिले में शिविरों का आयोजन जारी है। 23, 24, 25, 31 जनवरी व 1 फरवरी तक जिले के 30 गिरदावर सर्किल पर शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कृषि उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबन्धन एवं पंचायती राज विभाग द्वारा 56 प्रकार की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए इच्छुक आवेदकों के आवेदन तैयार करवाए गए। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में जनप्रतिनिधियों व संबंधित विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया गया। इस दौरान 745 किसानों को कृषि विभाग की तारबंदी के आवेदनों के वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। इसी तरह 194 किसानों को फार्म पौण्ड के आवेदन, 731 को पाईप लाईन, 13 हजार 227 को फसल बीमा योजना, 15 हजार 310 को समर्थन मूल्य की जानकारी, 17 हजार 50 को कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही 10179 किसानों में मिनी किट वितरण का सत्यापन और 6817 में बीज वितरण का सत्यापन किया गया। शिविर में अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ 2945 सॉयल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग की ओर से फव्वारा, ड्रिप, प्लास्टिक मल्च इत्यादि योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि विपणन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना की जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि, गैर कृषि 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना, नए कस्टम हायरिंग सेंटर के आवेदन तैयार करवाने की जानकारी दी गई। पशुपालन विभाग की ओर से 3344 पशुओं को प्राथमिक चिकित्सा करते हुए कृमिनाशक औषधि पिलाई गई। उन्होंने बताया कि फीवर रोग टीकाकरण, 44 पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान व 569 फर्टिलिटी किट का भी वितरण किया गया। 5911 व्यक्तियों को गौशाला विकास योजना की जानकारी दी गई। मत्स्य विभाग की ओर से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रचार-प्रसार किया गया। ऊर्जा विभाग की ओर से पीएम सूर्यघर योजनान्तर्गत पंजीकरण व इसके साथ-साथ राजस्व विभाग ने 283 फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण किया गया। ऊर्जा विभाग की ओर से पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत 362 पंजीकरण, 18 हजार 440 किसानों को वीबी-जीरामजी की जानकारी, 756 में स्वामित्व कार्ड वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में 5 से 9 फरवरी तक गिरदावर सर्किल में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पूर्वजों की विरासत और संस्कृति की ओर लौटना आवश्यकः राठौर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। गोपालपुरा मंडल के गुनपुर गांव में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल के आठ गांवों से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन में सनातन संस्कृति की रक्षा, सामाजिक एकता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग कार्यवाह राजेंद्र राठौर ने कहा कि हिंदू समाज को अपने पूर्वजों की विरासत, परंपराओं और संस्कृति की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा और समाज की एकता के लिए सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भी सामाजिक दायित्व बताया।

सम्मेलन में पागल दास बाबा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और समाज में जागरूकता व संगठन की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर खंड सह कार्यवाह विजय सिंह, खंड शारीरिक प्रमुख अवधेश, खंड सह सेवा प्रमुख कुश राठौर, मंडल अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष रामकुमार तोमर व मंडल कार्यवाह देवेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान अभिषेक ठाकुर, प्रांशु परमार, सतीश तोमर, कान्हा परिहार,विकाश ठाकुर और अन्य आसपास के गांवों के ग्रामीण लोग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही अधिक संतानों की माताओं को 'वीर माताओं' के रूप में सम्मान प्रदान किया गया। सम्मेलन में लगभग 550 से अधिक पुरुष, महिलाएं व युवक-युवतियों ने भाग लिया।

खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता के लिए धौलपुर जिले की टीम रवाना

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के राज्य स्तरीय खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला कोटा की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय डावदा इटावा जिला कोटा में 4 फरवरी से 6 फरवरी तक किया जा रहा है। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जितेन्द्र सिंह जादौन की ओर से हरी झण्डी दिखकर रवाना करते हुए बताया कि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय प्रेरणानगर धौलपुर, मरैना राजाखेडा, हांसई बाड़ी व मौठियापुरा सरमथुरा की संभाग स्तरीय खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रथम विजेता बालिकाऐं 4 फरवरी से 6 फरवरी तक राज्य स्तरीय केजीबीवी खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करेंगी। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने इस अवसर पर बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में केजीबीवी मरैना से 17, हांसई से 14, प्रेरणानगर से 15 व मोठियापुरा से 14 बालिकाए कुल 60 बालिकाओं का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। टीम के साथ दल प्रभारी के रूप में शारीरिक शिक्षक राउमावि बसईकारे बिन्दुवाला, सहदल प्रभारी के रूप में शारीरिक शिक्षक राउप्रावि गुन्ना का पुरा संतोष कुमारी, अध्यापिका केजीबीवी माठियापुरा लाखन्ती बाई मीना, अध्यापिका केजीबीवी हांसई तृप्ति जारेडा, वार्डन केजीबीवी प्रेरणानगर विजय भारती राणा रवाना हुई है।

सुमेरपुर में नालियों पर एक्शन मोडः सफाई अभियान शुरू

जेसीबी से चौक नालियां खोलीं, रिपेयरिंग भी तेज

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। शहर में गंदे पानी के भराव से राहत दिलाने के लिए नगर पालिका ने विशेष सफाई अभियान शुरू कर दिया है। पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चौक पड़ी नालियों की सफाई के साथ-साथ रिपेयरिंग कार्य भी तेज़ी से कराया जा रहा है। नगर पालिका के अनुसार शहर में प्रतिदिन करीब 8 टन कचरा निकलता है, जिसमें से बड़ी मात्रा नालियों में डाल दी जाती है। इससे नालियां जाम हो जाती हैं और गंदा पानी सड़कों व घरों के बाहर फैलने लगता है। इसी समस्या के समाधान को लेकर अभियान की शुरुआत शिव कॉलोनी स्थित जुना जाखोड़ा रोड से की गई है। यहां मुख्य सड़क से सटी पुरानी नालियों की जेसीबी व ट्रैक्टर की मदद से सफाई कराई जा रही है। पालिका के अनुसार सफाई के बाद नालियों की मरम्मत भी कराई जाएगी। पालिका ने नगरवासियों से अपील की है कि कचरा निर्धारित संग्रहण स्थलों पर ही डालें और विशेष रूप से प्लास्टिक नालियों में न फेंकें। अन्य वार्डों में भी संबंधित पार्षदों के सहयोग से साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका का कहना है कि आमजन के सहयोग से ही शहर को जलभराव और गंदगी की समस्या से स्थायी राहत दिलाई जा सकती है।

करौली टाइगर रिजर्व सेंचुरी में आने वाले गांवों के निवासियों को उनकी मर्जी के बिना विस्थापित नहीं किया जाएगा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। वन व पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि करौली टाइगर रिजर्व सेंचुरी में आने वाले गांवों के निवासियों को उनकी सहमति के बिना विस्थापित नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिजर्व के अन्तर्गत आने वाली बंजर भूमि पर यदि कोई ग्रामवासी खेती कर रहा है तो इस संबंध में विभागीय नियमों में मुआवजे का प्रावधान नहीं है। शर्मा ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2022 में जारी आदेश के तहत मानव और वन्य जीव संघर्ष (कॉन्फ्लिक्ट) में मृत्यु होने पर परिवारजन को 5 लाख रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से इस प्रकार की घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए इस राशि को दोगुना करने पर विचार किया गया है। इसके लिए नियमों में संशोधन किया जा रहा है। संशोधन के बाद राज्य सरकार की ओर से इस प्रकार की दुर्घटनाओं में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। वन व पर्यावरण राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य जसवंत सिंह गुर्जर की ओर से इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि धौलपुर-करौली में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार समिति गठित कर समिति की रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई। इसके उपरांत ही सीटीएच का निर्धारण किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि अलवर स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व में दो बाघिनों के बीच हुए संघर्ष में एक बाघिन की घायल होने से मृत्यु हो गई थी। जिसका नियमानुसार पोस्टमार्टम करवाकर विधिवत रूप से सम्मानपूर्वक दाह संस्कार किया गया है। इससे पहले विधायक गुर्जर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में मंत्री शर्मा ने बताया कि वर्तमान में धौलपुर-करौली में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के अन्तर्गत आने वाले गांव में स्वैच्छिक विस्थापन की प्रक्रिया प्रारम्भ नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि बाडी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व में भविष्य में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) में आने वाले गांवों का जब कभी भी स्वैच्छिक विस्थापन होगा तो 2 नवंबर 2002 तथा 24 जुलाई 2025 को राज्य सरकार एवं नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की ओर से 21 फरवरी 2008 जारी दिशा-निर्देश द्वारा निर्धारित प्रावधान व प्रक्रिया के अनुसार मुआवजा दिये जाने का प्रावधान है।

आधुनिक कृषि यंत्र से बढ़ी उत्पादकता, किसान बच्चू सिंह बने प्रेरणा स्त्रोत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले की सरमथुरा पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बीलोनी के किसान बच्चू सिंह पुत्र श्रीलाल ने आधुनिक कृषि यंत्रों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी और सुगम बनाने की दिशा में सराहनीय पहल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम उत्थान शिविर के तहत बच्चू सिंह को मल्टी क्रॉप थ्रेसर 35 एचपी से अधिक क्षमता, 4 टन तक क्षमता का लाभ प्राप्त हुआ। कृषि यंत्र प्राप्त होने के बाद बच्चू सिंह ने अपनी फसल कटाई और मड़ाई कार्य में आधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू किया, जिससे उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पहले जहां फसल मड़ाई में अधिक समय, श्रम व लागत लगती थी, वहीं अब मल्टी क्रॉप थ्रेसर की सहायता से कम समय में अधिक मात्रा में फसल की मड़ाई संभव हो रही है। इससे श्रमिकों पर निर्भरता कम हुई तथा उत्पादन लागत में भी कमी आई है। लाभार्थी बच्चू सिंह ने ग्राम उत्थान शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस यंत्र के उपयोग से न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि फसल की गुणवत्ता भी बेहतर बनी हुई है। साथ ही आसपास के किसानों को भी इस यंत्र का लाभ मिल रहा है, जिससे क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने सरकार की इस जनकल्याणकारी पहल के लिए आभार व्यक्त किया। बच्चू सिंह की यह सफलता अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है। कृषि विभाग की ओर से संचालित योजनाएं किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि व खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

सर्विस रोड पर जलभराव से बढ़ी परेशानी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में सड़कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 की सर्विस रोड पर जगह-जगह जलभराव हो गया है, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद सर्विस रोड तालाब जैसी नजर आने लगी है और छोटे-बड़े वाहन चालकों को निकलने में मुश्किल हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही प्रशासन द्वारा सर्विस रोड पर मिट्टी और गिट्टी डलवाकर मरम्मत कराई गई थी, लेकिन हालिया बारिश के कारण सड़क फिर से उखड़ गई और गड्ढों में पानी भर गया। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। जलभराव के कारण आसपास के क्षेत्र के लोगों को दैनिक आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और व्यापारियों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सर्विस रोड की स्थायी मरम्मत कराई जाए और उचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि बारिश के दौरान सड़क पर पानी जमा न हो। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

मतदान बूथ बदलने को लेकर सौपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। उपखंड राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के नई पंचायत बनीगांव डिडवार के ग्रामीणों ने बूथ बदलने को लेकर राजाखेड़ा उपखंड अधिकारी सुशीला मीणा को एकत्रित होकर ज्ञापन सौपा है ज्ञापन में बताया है कि हमारा बूथ घना का पुरा बनाया गया है जिसे वापस हमारे गांव डिडवार में किया जाए क्योंकि वोट डालने की पर्याप्त व्यवस्था है करीब 50 वर्ष से गांव डिडवार के लोग वोट अपने गांव में डाल रहे हैं पंचायत मुख्यालय डीडवार है वोट डालने की पर्याप्त व्यवस्था है सब सुविधाएं हैं साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि डीडवार से घना का पुरा 7 किलोमीटर दूर है अन्य गांव में तेज सिंह का पुरा, डिरावली, श्रीपाल की घड़ी गांव की दूरी घना का पुरा से करीब 10 किलोमीटर है और सभी गांव की दूरी दरबार ग्राम पंचायत से एक किलोमीटर है।

जागरूकता आत्मा और समाज के लिए अनिवार्य- मुनि सौरभ सागर

धौलपुर(निस)। सौरभ सागर महाराज के जैन मन्दिर में हुए मंगल प्रवचन 22 राज्य भारत नेपाल सहित सौरभ विश्व शांति पदयात्रा कर आए मुनि सौरभ जैन मंदिर में जैन समाज की उपस्थिति में अपने मंगल प्रवचनों में फरमाया कि' जागरूकता आत्मा समाज के कल्याण के लिए आवश्यक है। जागृति सर्वत्र अपेक्षित है। नैतिकता और अनैतिकता पूर्ण आचरण समाज व राष्ट्र के आचार संहिता में कितना लाभदायक तथा हानिकारक है। नागरिकता के अधिकार में भी नैतिकता और कर्तव्य पालन अनिवार्य है। आज देश में लोकतंत्र के साथ आध्यात्मिकता को महत्व दिया जा रहा है। भारत में आदि काल से सुर व असुर संघर्ष।

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)

क्रमाक- न.प. कोट / भूमि / 2026 / 6118 दिनांक :-03/02/26

प्रारूप - 10
(नियम 6 (7)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता श्री रोशन लाल पुत्र श्री धनसी जाति माली निवासी ढाणी मोती वाली, गौशाला रोड, तहसील कोटपूतली ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषित प्रयोजन (आवासीय) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्र	प्रयोजनार्थ
कोटपूतली- बहरोड, कोटपूतली	बासडी (कोटपूतली)	2176/1515	0.2000 है.	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 1963 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन कर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर मुहर के अधीन को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपरिषद कोटपूतली

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
4 फरवरी, 2026

लोगों की जन समस्याओं के बारे में ली जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के न्याय आपके द्वार अभियान की ओर से तालुका विधिक सेवा समिति एडीजे कोर्ट सुजानगढ़ के निर्देश पर पीएलवी अशोक तिवाड़ी की ओर से शहर में समस्याएं सुनी गई। अभियान कार्यक्रम के तहत अशोक तिवाड़ी ने जनता को जन उपयोगी योजनाओं के बारे मे बताकर जागरूक किया। बिजली पानी सड़क पेंशन सम्बंधित जानकारी दी। लोगो को विभिन्न प्रकार की कानूनी जानकारी देकर जागरूक किया गया और लोगों ने ट्रेफिक व्यवस्था में सुधार की मांग की।

दो नाबालिग भिक्षावृति से मुक्त करवाए

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। मानव तस्करी विरोधी इकाई ओर चाइल्ड हेल्पलाइन (बाल अधिकारिता विभाग की ओर से खाटूश्यामजी से 2 नाबालिग बच्चों को भिक्षावृति से मुक्त करवाया गया। इनकी आयु 12 ओर 15 वर्ष है।रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति के सदस्य बिहारी लाल बालान के समक्ष पेश किया गया और बाल कल्याण समिति के आदेश पर दोनो बच्चो को परमार्थ सेवा संस्थान में अस्थाई प्रवेशित किया गया है। यह कार्रवाई भिक्षावृति उन्मूलन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। टीम में मौजूद मानव तस्करी विरोधी यूनिट की प्रभारी सीआई सुनीता बॉयल, मनोज, प्रेम प्रकाश चाईल्ड हेल्प लाइन से राकेश चिरानिया, ममता सैनी आदि शामिल रहे।

हत्या के प्रयास के आरोपी को 4 वर्ष का कठोर कारावास

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के अपर जिला व सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने हत्या के प्रयास के एक मामले में भानीपुरा थाना क्षेत्र के गाँव सावर निवासी श्योपत उर्फ सम्पत पुत्र शंकरलाल को धारा 308 भा.द.स. व धारा 3/25 आयुद्ध अधिनियम में दोषसिद्ध कर धारा 308 भा. द. स. में चार वर्ष का कठोर कारावास व दस हजार रुपए अर्थदंड व अर्थदण्ड जमा नहीं करवाने पर तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा सुनाकर जेल भेजा। अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक पंकज कुमार स्वामी ने की।

झाझड़िया खाप की पंचायत आयोजित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। अखिल भारतीय सर्वजातिय झाझड़िया खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रायसिँह झाझड़िया की अध्यक्षता में राजस्थान प्रधान रामस्वरूप झाझड़िया के निज निवास तारानगर में झाझड़िया खाप की पंचायत हुई जिसमें नरेगा किसान मजदूर को देने, बड़ पीपल, नीम आदि लगाने, अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा ज्ञान देने आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर रामस्वरूप झाझड़िया, सतवीर, ओमप्रकाश, ईश्वरसिंह, दलीप सिह, जयवीर, बिशन राम, रामसिंह, विजय, सुरेश सहित काफी लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव डूंगरास अगुणा से राजियासर के बीच मोटरसाइकिल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दो युवक गंभीर घायल हो गए। दोनों को सुजानगढ़ सरकारी अस्पताल लाया गया। जहाँ टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार और अन्य ने इमरजेंसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने रामलाल (30) मेघवाल, निवासी डूंगरास अगुणा को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल मनोज मेघवाल का उपचार जारी है। मंगलवार सुबह परिजनों की रिपोर्ट पर सालासर पुलिस थाने के एएसआई शिशुपाल ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार मृतक रामलाल विदेश रहता था और छुट्टी पर आया हुआ था।

अतिक्रमण हटाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सार्वजनिक स्थान से अतिक्रमण हटाए जाने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सोहिल गोपालपुरिया ने उपखंड अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार असलम खान को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड न. 48 में पंचायत समिति के पास स्थित एफसीआई गोदाम के पास कचरा व पत्थर डालकर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इसलिए अतिक्रमण को हटाकर आम जनता को राहत प्रदान की जाए।

खेतों में आए दिन आग से बढ़ा संदेह

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय प्रगति नगर से आबसर रोड़ जाने वाले सड़क मार्ग पर स्थित खेतों में आए दिन आग लगने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे अब यह संदेह उत्पन्न होने लगा है कि कहीं आग जान बूझकर तो नहीं लगाई जा रही। हाल ही में एक स्क्रेप फैक्ट्री में आग लगने की घटना के बाद

दमकलकर्मियों को आग बुझाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। लेकिन मंगलवार को फिर से चार-पांच खेतों में आग लगने की घटना सामने आई है। खेतों में आग से कचरा जलाए जाने की घटनाएं आम बात होने लगी हैं, जिसके कारण अत्यधिक प्रदूषण होता है।

कनिष्ठ अभियंता को किया एपीओ

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्वायत शासन विभाग जयपुर के अतिरिक्त निदेशक सीमा कुमार ने एक आदेश जारी कर सुजानगढ़ नगरपरिषद के कनिष्ठ अभियंता कमलेश कुमार सुखानिया को एपीओ किया है। हाल ही में कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ भाजपा पार्षदों ने धरना दिया था और उन्हें एपीओ किए जाने की मांग की थी। जिसके बाद धरने के 23 वें दिन कनिष्ठ अभियंता कमलेश को यहां से चूरू लगाया गया और प्रशासन द्वारा धरना समाप्त करवाया गया। लेकिन अब स्वायत शासन विभाग के अतिरिक्त निदेशक ने आदेश जारी कर कनिष्ठ अभियंता को एपीओ कर आगामी आदेशों तक निदेशालय में उपस्थिति देने के आदेश दिए हैं।

पाईप लाईन में लीकेज, दीवार ढ़हने से लाखों का नुकसान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। मेगाहाईवे स्थित मुस्कान धर्म कांटा के सामने आपणी योजना की पाईप लाईन में लीकेज होने के कारण यहां के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मेगाहाईवे पर विश्वनाथ माली नामक व्यक्ति के प्लॉट की चारदीवारी टूट जाने के कारण उनको लाखों रूपयों का नुकसान हुआ है। विश्वनाथ माली ने बताया कि करीब दो तीन महीनों से यह समस्या व्याप्त है और पाईप लाईप में एयरवाल के पास लीकेज होने के कारण

आस-पास की प्लॉटस व जमीनों पर पानी भर गया है। कई लोगों के खेत खराब हो रहे हैं, क्योंकि जमीन गीली हो गई है। विश्वनाथ माली ने बताया कि मेरे प्लॉट की दीवार कच्ची होकर गिर गई, जिससे मुझे लाखों का नुकसान हुआ है। वहीं अब तक आपणी योजना या जलदाय विभाग की ओर से समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके कारण आस-पास के लोगों में आक्रोश है। विश्वनाथ माली ने बताया कि या तो विभाग इस समस्या का समाधान समय पर कर दे, अन्यथा अब और ज्यादा नुकसान होने पर अधिकारियों पर मुकदमा करके हर्जाना मांगा जायेगा। पास में ही रहने वाले मुमताज अली ने बताया कि खेतों में पानी भर जाने के कारण से लोगों को दिक्कत हो रही है। करीब दो तीन माह से यहां पर लीकेज की समस्या है, जिसका अधिकारियों को जल्द से जल्द निस्तारण करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि जल्द ही ज्ञापन देकर समस्या का समाधान करवाने के लिए अधिकारियों से मांग की जाएगी। वहीं मौके पर मिस्त्री लोग नई दीवार बनाते नजर आए। वहीं विश्वनाथ माली ने आस-पास के प्लॉट्स व खेतों में भरा पानी दिखाते हुए जन समस्या के समाधान की मांग की है।

वीबीजीराम का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। चूरू जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता व भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत के मुख्य आतिथ्य में तारानगर के भाजपा कार्यालय में मंगलवार को विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना वीबीजीराम का जिला स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। प्रदेश महामंत्री अहलावत ने कहा कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन में नई योजनाओं के तहत अब 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित किया गया है जिसमें कार्मिकों को सप्ताह के अंदर रोजगार का भुगतान किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि चंद्राराम गुरी ने कहा इस योजना के तहत ग्रामीण व शहरी विकास के लिए नए प्रतिमान स्थापित होंगे जिससे नए कार्यों को गति मिलेगी व सबको रोजगार मिलेगा। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने कहा कि जीरामजी योजना' के

नाम परिवर्तन पर विपक्ष इसका दुष्प्रचार कर रहा है लेकिन इस योजना के तहत सबको गारंटी सहित रोजगार मिलेगा व उसका भुगतान भी समय पर होगा। मधुसूदन राजपुरोहित, संदीप काजला, वरिष्ठ नेता महावीर पूनियां आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल ने कार्यशाला में आए हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। संचालन राजेन्द्र जोइया व भगवती प्रसाद ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर जमरदिन तेली, गिरधारीलाल पारीक, विशाल शर्मा, रणजीत सिंह, मदनलाल नायक, महेंद्र स्वामी, सुनील भाकर, त्रिलोक रेगर, लिलाधर बागोरिया, राकेश शर्मा, जोगेंद्र सिंह, साबीर हुसैन, जेके दायमा, मोहम्मद फारूक, चिरंजीलाल शर्मा, रामचंद्र प्रजापत, जितेंद्रसिंह राठौड़, गुमान सैनी, मैनपाल, हेमन्त व्यास, अशोक जांगिड़, भगवान पैशिया, ओमप्रकाश गिवारीया, हीरालाल सैनी सहित भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिलाओं को जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार मित्तल के निर्देशानुसार मंगलवार को क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम के तहत महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता इकाई के बाबू लाल ने बताया कि जल है तो कल हैं बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आए हैं जल ही जीवन है, जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है आमजन को बताया जकि शहर में नई जल प्रदाय योजना के अंतर्गत पानी पर्याप्त व पूर्ण प्रेशर के साथ व मीटर युक्त मिलेगा और आमजन से अपील की जल संरक्षण हमारा दायित्व ही नहीं कर्तव्य भी है कि पानी को किसी भी तरह बर्बाद नहीं करें, आवश्यकतानुसार ही जल का उपयोग करें, पानी की एक एक बून्द बचाएं, आज की बचत कल का भविष्य है। आप पानी को बचाने के लिए इसमें सहयोग करे और अपने परिवार वालों से भी सहयोग के बारे में कहे।

कार्यक्रम में पानी के सरंक्षण पर बोलते हुए बताया की जल ही जीवन है, जल के बिना जीवन की कल्पना मुश्किल है, जीवन के सभी कार्यो का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है। जल संसाधन पानी के वह स्त्रोत है जो मानव जाति के लिए उपयोग है। मुझे परियोजाना के तहत किये जा रहे विकास कार्यों से भविष्य में मिलने वाले लाभों और सुविधाओं के बेहतर उपयोग व रखरखाव पर बात की। बताया की फर्श को पाइप से धोने की बजाय पोछे से साफ करे, सेविंग करते वक्त नल को खुला ना छोड़े, मग में पानी लेकर सेव करें। इस प्रकार की छोटी छोटी आदतों से बहुत सारा पीने वाला पानी बचाया जा सकता है जो आज की बचत और कल का भविष्य हैं। इसमें बच्चें अपना अहम रोल निभा सकते है। इसलिए अब समय आ गया है जब आमजन को आगे आकर पानी को बचाने के उपाय करने होंगे। जिससे कि जल संरक्षण के प्रति आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। जागरूकता कार्यक्रम में पवन सिंह आदि ने सहयोग प्रदान किया।

चूरू के पुस्तकालयों को समृद्ध करेगा धारीवाल परिवार

सालाना अस्सी हजार, कुल चार लाख रुपये की सीधे साहित्यकारों से होगी पुस्तक खरीद

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय प्रयास संस्थान की पुस्तक उपहार योजना अंतर्गत राजकीय लोहिया महाविद्यालय में प्रोफेसर रहे नौरतनचंद धारीवाल की स्मृति में उनके पुत्र सुनील, हेमंत, संजय धारीवाल चूरू अंचल के पुस्तकालयों को समृद्ध करेंगे। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि धारीवाल परिवार पुस्तकालय समृद्धि

व साहित्यकारों तक पुस्तकों की लागत पहुंचाने के पुनीत ध्येय से संचालित प्रयास पुस्तक उपहार योजना' से जुड़ें हैं। इस संबंध में धारीवाल परिवार के हेमंत धारीवाल ने प्रयास संस्थान अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण के साथ प्रतिवर्ष अस्सी हजार व पंचवर्षीय चार लाख रुपए की पुस्तकें क्रय का अनुबंध किया है। यह आयोजन प्रतिवर्ष प्रो. धारीवाल के स्मृति दिवस पर सितंबर माह में होगा। आयोजन में पुस्तकों पर संवाद, प्रश्नोतरी, समीक्षा, पत्रवाचन आदि प्रतियोगिताएं भी होंगी और विजेता प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। संस्थान अध्यक्ष व राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि पाठक के हाथ में पुस्तक, लेखक के हाथ में लागत सोच के साथ संचालित इस योजना में चूरू अंचल व राजस्थानी भाषा की प्राथमिकता के साथ क्रमशः विस्तार दिया जाएगा।

10 वर्ष पुराने अपहरण व मारपीट के मामले में 5 साल का कठोर कारावास

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। करीब दस साल पुराने प्रकरण में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषसिद्ध करार दिया है। अपर लोक अभियोजक श्याम सुंदर खंडेलवाल ने बताया कि 1 अगस्त 2015 को बीरबल राम नि. प्रगति नगर सुजानगढ़ ने मुकदमा इस आशय का दर्ज करवाया था कि मेरा भाई रतन हाईवे के पारा खेत में ट्रेक्टर चला कर खेत को समतल करने का कार्य कर रहा था। मेरा भाई सड़क के पास खड़ा खड़ा टेलीफोन पर बात कर रहा था, इतने में एक केम्पर गाड़ी जिसमें महेश गढ़वाल नि. स्थानण व उसके साथ काफी लोग आये व जिन्होने मेरे भाई रतन का हत्या करने के उदेश्य से अपहरण करके उठाकर केम्पर गाड़ी में डाल लिया व उसके साथ सरियों व लोहे के पाईपों से तथा थाप मुक्को से मारपीट की। हमने पीछा किया तो महेश गढवाल व उसके साथी गोपालपुरा बाई पास मेगा हाईवे पर उसके साथ मारपीट कर रहे थे। जिसका बीच-बचाव कर उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस थाना ने जांच कर महेश गढ़वाल के खिलाफ चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। 10 वर्ष पुराने प्रकरण में कुल 16 गवाहान के बयान व 17 दस्तावेज न्यायालय में अभियोजन विभाग की ओर से प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षकारान की बहस सुनकर न्यायालय ए.डी.जे. महेन्द्र प्रताप भाटी ने मुलजिम महेश गढ़वाल (38) नि. श्यानण को अवैध समूह का गठन कर घातक आयुधों से सुसज्जित होकर बल व हिंसा का प्रयोग कर आहत रतन का अपहरण करके उसके साथ साधारण व गम्भीर चोटे कारित करने का अपराध साबित मानते हुए 5 वर्ष का कठोर कारावास व 9500 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अदम अदायगी जुर्माना अगल अलग धाराओं में कुल 10 माह 15 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास से दण्डित किया गया। अभियोजन विभाग की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक एडवोकेट श्याम सुन्दर खण्डेलवाल ने की।

एडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अखिल भारतीय किसान सभा के स्थानीय अध्यक्ष तेजपाल गोदारा के नेतृत्व में नलिया बास के लोगों ने एडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करके आम सड़क पर होने वाले जलभराव की समस्या का समाधान किए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपते वक्त कॉमरेड रामनारायण रूलाणिया ने एडीएम संतोष मीणा को बताया कि नलिया बास फाटक के पास लोगों को जलभराव की समस्या के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यहां पर सारा दिन अधिकारियों का आवागमन होता है, फिर भी समस्या का समाधान नहीं होना अपने आप में बड़ी लापरवाही है। प्रदर्शनकारियों ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की। इस दौरान मुकेश सांखला, केसरमल तंवर, सुभाष भार्गव, लख्मीचंद तंवर, मनसुख गुर्जर, जगदेव बेड़ा, योगेश स्वामी, विजय कच्छावा, भंवरलाल मारोठिया, मनोहर गुर्जर, मुकेश एचरा, मंगतुराम टाक, राकेश तंवर, भगवती प्रसाद तंवर, गोविंद स्वामी, हरिराम माली, कमल शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सेठ बुद्धमल दूगड़ राजकीय महाविद्यालय में चल रही वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की श्रृंखला के समापन दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कविता शर्मा की ओर से दोनों दलों के बीच टोस करवाकर किया गया।शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ प्रभाकर दीक्षित ने बताया की इस कबड्डी प्रतियोगिता में प्रताप सदन विजेता रहा और शिवाजी सदन उपविजेता रहा। प्रताप सदन के कप्तान मुकेश पारीक बीए तृतीय वर्ष एवं शिवाजी सदन के कप्तान शिव भगवान सैनी एमए उत्तरार्द्ध रहे। खो खो प्रतियोगिता में प्रताप सदन विजेता व शिवाजी सदन उपविजेता रहा। प्रताप सदन के कप्तान जयपाल, बीए प्रथम वर्ष व शिवाजी सदन के

कप्तान कुणाल शर्मा, बीए प्रथम वर्ष रहे। बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता में शिवाजी सदन विजेता रहे एवं प्रताप सदन की टीम उपविजेता रही। शिवाजी सदन के कप्तान अशोक कुमार डूडी बीकॉम प्रथम वर्ष व प्रताप सदन के कप्तान जयपाल बीए प्रथम वर्ष रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में प्रताप सदन ने शिवाजी सदन को पराजित किया। प्रताप सदन के कप्तान अशोक कुमार बीए द्वितीय वर्ष व शिवाजी सदन के कप्तान विकास मीणा, एमएससी पूर्वाद्ध रहे। एथलेटिक्स प्रतियोगिता अंतर्गत गोला फैंक प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में शिव भगवान सैनी एमए उत्तरार्द्ध प्रथम व मुकेश पारीक, बीए तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रहे। छात्रा वर्ग में मोनिका चौधरी बीएससी तृतीय वर्ष प्रथम व रचना सारण, बीए प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर रही। तश्तरी फैंक प्रतियोगिता में शिव भगवान सैनी एमए उत्तरार्द्ध प्रथम व मुकेश पारीक बीए तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रहे। भाला फैंक प्रतियोगिता में बाबू सिंह बीए तृतीय वर्ष प्रथम एवं महेश कुमार बीएससी तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रहे। छात्रा वर्ग में मोनिका चौधरी बीएससी तृतीय वर्ष प्रथम व रचना सारण बीए प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर रही। लंबी कूद प्रतियोगिता में छात्रा वर्ग में द्रोपती मेघवाल बीए प्रथम वर्ष प्रथम व मनीष पारीक, बीएससी तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में शिव भगवान सैनी एमए उतरार्द्ध प्रथम व अशोक कुमार डूडी, बीकॉम प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर रहे। ऊंची कूद प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में द्रोपती मेघवाल बीए प्रथम वर्ष प्रथम स्थान व मनीषा पारीक बीएससी तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में शिव भगवान सैनी एमए उत्तरार्द्ध प्रथम व अशोक कुमार डूडी बीकॉम प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्य डॉ कविता शर्मा ने सभी सहभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य शेरसिंह, भवानीशंकर, मुकेश कुमार प्रजापत, डॉ सुनीता मीणा, डॉ देवीलाल रोझ, डॉ लालचंद मीणा, डॉ सिद्धि गुप्ता, सुमन, महेश कुमार, जय रतन लखेरा आदि सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन शारीरिक शिक्षक ललित कुमार, पृथ्वीराज, विनोद कुमार, विष्णु दत्त, सुनील कुमार व राजेश कुमार ने किया गया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।